



मुलतानीमल मोदी कॉलेज मोदीनगर-201204(उ०प्र०)

(सम्बद्ध-श्री० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के द्वारा मूल्यांकित)

दूरभाषसंख्या : 01232-243492
फैक्ससंख्या : 01232-223620

वेबसाइट: www.mmcmodinagar.ac.in
ई-मेल : info@mmcmodinagar.ac.in

To Whom it May Concern

This is to certify that the college abides laws/rules/regulations, policies and guidelines concerned with sexual harassment, anti-ragging, student welfare and implements them. The College also gives wider awareness through display on campus and website by undertakings on policies with zero tolerance. The college has adopted the mechanism for submission of grievances online through the college email (info@mmcmodinagar.ac.in) or offline by directly presenting application in principal or proctor office. The complaints are transferred accordingly to respective committees. To redress the grievances timely.


(Dr. Pradip Kumar Garg)
Multinimal Modi College
Modinagar(UZ)

Multinimal Modi College, Modinagar

Enclosure:

1. Complain application of students.
2. Minutes of the meetings of student Redressal Committee, prevention of sexual harassment Committee and Anti-Ragging Committee.
3. Awareness Programmes (Women Cell/NSS).
4. Geotagged Photos of Bills of Anti-Ragging and Prevention of Sexual Harassment.

6th Dec 2017

स्थानीय प्रशासन द्वारा दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में 'गाइडला सुरक्षा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर दिनांक 6-12-17 को महाविद्यालय के Auditorium में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में मोदीनगर की विधायिका डा० मंजू शिवान, एस० डी० एम०, सी० डी०, एस० एम० डी० सभी ने अपने विचार व्यक्त किये। डा० मंजू शिवान ने स्थानीय पुलिस से कहा कि वो स्कूलों की घुड़ी के समय दोपहर में गश्त लगाया करें ताकि कोई भी हाता अपने को असुरक्षित महसूस न करें। तथा उपर्युक्त हाता पर लगाम लगाये जा सके। एस० डी० एम० साहब ने 1090 के अलावा एक नया helpline no. 9454401090 भी फोनार्थों को बताया। सभी भातिधायी ने हाताओं से कहा कि इन helpline no के अलावा वो उनके व्यक्तिगत नम्बर पर भी किली भी कमरवा के समय call कर सकती हैं। स्थानीय NGO स्थालों की सदस्यों ने भी अपने विचार व सुझाव की महिला प्रकाष्ठ के निम्नांकित सदस्य गोष्ठी में उपस्थित थीं:-

- (1) डा० सीमा राज SRaj
- (2) श्रीमती नीता Nita
- (3) श्रीमती सीमा शर्मा
- (4) श्रीमती गीतांजली शर्मा G-Sharma

Kare
Principal
Munirani Modi College
Modinagar (GZ)



मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर-201204 (उ०प्र०)

सम्प्रदाय श्री० धरम सिंह विश्वविद्यालय, मरवा,
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद् के द्वारा मूल्यांकित)

दूरभाष संख्या : 01292-243492
फैक्स संख्या : 01292-229630

वेबसाइट : www.mmcmodinagar.ac.in
ई-मेल : info@mmcmodinagar.ac.in

पृष्ठ संख्या :

दिनांक : 22-12-2017

सूचना

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महिला प्रकोष्ठ (2017-2018) के तत्वाधान में महाविद्यालय में रंगोली तथा महंदी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। अतः समस्त इच्छुक छात्राएँ दिनांक 13-01-2018 तक अपने नाम निम्नलिखित शिक्षकों को दें।

1. डॉ० सीमा राज (सांख्यिकी विभाग)
2. डॉ० हसुधा शर्मा (वनस्पति विभाग)
3. डॉ० सुनीता सिरोही (इतिहास विभाग)
4. डॉ० गीतांजली (लाईब्रेरी साइंस विभाग)

उपरोक्त कार्यक्रम के नियम निम्नलिखित हैं -

1. रंगोली में एकल रूप अथवा ग्रुप के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं किन्तु ग्रुप में चार से अधिक संख्या में प्रतिभागी नहीं होंगे। रंगोली की समयावधि 1 घंटा होगी।
2. महंदी में एकल रूप से ही भाग लिया जा सकता है। इसकी समयावधि 30 मिनट की होगी।

आज्ञा से
(डॉ० सीमा राज)
समन्वयक महिला प्रकोष्ठ



मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर-201204(उ०प्र०)

(समन्वय डॉ० बरुण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद् के द्वारा मूल्यांकित)

दूरभाष संख्या : 01232-243483
दूरभा संख्या : 01232-223620

वेबसाइट : www.mumukshubhawan.org
ई-मेल : info@mumukshubhawan.org

पत्रांक :

दिनांक : 22-12-2017

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महिला प्रकोष्ठ (2017-2018) के तत्वाधान में महाविद्यालय में एक पोस्टर प्रतियोगिता एवं लघु विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। पोस्टर प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी का शीर्षक है - "नारी सशक्तिकरण के विभिन्न आयाम" सभी इच्छुक विद्यार्थी दिनांक 13-01-2018 तक निम्नलिखित शिक्षकों को अपने नाम दें:

1. डॉ० सीमा राज (समन्वयक, महिला प्रकोष्ठ, साहित्यकी विभाग)
2. डॉ० बसुधा शर्मा (वनस्पति विभाग)
3. डॉ० सुनीता सिरौही (इतिहास विभाग)
4. डॉ० गीतांजली (लाइब्रेरी साइंस विभाग)

आज्ञा से
(डॉ० सीमा राज)
समन्वयक महिला प्रकोष्ठ

गैरर प्रतिभागिता

<u>1) Name</u>	<u>Class</u>	<u>Subs</u>	<u>Ph no</u>
Vaishali	M.Sc III Sem	Maths	9012640742
2) Sawan Koc	B.A.II	Pol Sc, Hindi, Hist	8755525184
3) Rangana	B.Sc.II	Bio	8434403042
4) Soni	B.A.II		
5)			

सूची

<u>Name</u>	<u>Class</u>	<u>Subject</u>	<u>Ph no</u>
1) Khushi	M.Sc. IT/Gen	Maths	9012640742
2) Divyanshi	B.Sc. I (Bio)		
3) Abhinav Ajesh	B.Sc. II (Bio)		
4) Nisant Puri	M.Sc. I		
5) Rohan Sharma	B.Sc. II (Bio)		
6) ^{Vaibhav} Arjun Tiwari	B. Com II		
7) Kajal Gupta	B.Sc. IT		

श्री. १
मैट्री प्रतियोगिता

Name	Class	Sub	Ph. no
1) Vairbali	MSc. 1st Sem	Maths	9012660762
2) Anjaya	B.Sc. I (Bio)		
3) Shwani	B.Sc. I (Bio)		
4) Pooam	B.Sc. III (Bio)		7500572279
5) Ranjana	B.Sc. II (Bio)		8639903042
6) Madani	MSc. IV Sem	Maths	
7) Pallavi	B.A. I		725390826
8) Ketu	'C level		

उत्तरी प्रदेश

- 1) Kosi, Saran, Siwan, Anulal, Yeghwar
- 2) Sitabdi, Aditya, Mohit, Saran
- 3) Anulal, Saran, Bhanwar, Tyoti, Anulal
- 4)

6th Dec 2017

स्थानीय प्रशासन द्वारा दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में 'गाइडला सुरक्षा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर दिनांक 6-12-17 को महाविद्यालय के Auditorium में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में मोदीनगर की विधायिका डा० मंजू शिवान, एस० डी० एम०, सी० ओ०, एस० एम० डी० सभी ने अपने विचार व्यक्त किये। डा० मंजू शिवान ने स्थानीय पुलिस से कहा कि वो स्कूलों की घुड़ी के समय दोपहर में गश्त लगाया करें ताकि कोई भी छात्रा अपने को असुरक्षित महसूस न करें। तथा उपर्युक्त छात्रों पर लगाम लगाया जा सके। एस० डी० एम० साहब ने 1090 के अलावा एक नया helpline no. 945-4401090 भी फोनारों को बताया। सभी भातिधायी ने छात्राओं से कहा कि इन helpline no के अलावा वो उनके व्यक्तिगत नम्बर पर भी किसी भी समस्या के समय call कर सकती हैं। स्थानीय NGO संस्थानों की सदस्यों ने भी अपने विचार व सुझाव की महिला प्रकाष्ठ के निम्नांकित सदस्य गोष्ठी में उपस्थित थीं:-

- (1) डा० सीमा राज SRaj
- (2) श्रीमती नीता Nita
- (3) श्रीमती सीमा शर्मा
- (4) श्रीमती गीतांजली शर्मा G-Sharma

Kare
Principal
Munimol Modi College
Modinagar (GZ)



मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर-201204 (उ०प्र०)

सम्प्रदाय श्री० धरम सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ,
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद् के द्वारा मूल्यांकित)

दूरभाष संख्या : 01202-243492
फैक्स संख्या : 01202-220630

वेबसाइट : www.mmcmodinagar.ac.in
ई-मेल : info@mmcmodinagar.ac.in

पृष्ठ संख्या :

दिनांक : 22-12-2017

सूचना

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महिला प्रकोष्ठ (2017-2018) के तत्वाधान में महाविद्यालय में रंगोली तथा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। अतः समस्त इच्छुक छात्राएँ दिनांक 13-01-2018 तक अपने नाम निम्नलिखित शिक्षकों को दें।

1. डॉ० सीमा राज (सांख्यिकी विभाग)
2. डॉ० हसुधा शर्मा (वनस्पति विभाग)
3. डॉ० सुनीता सिरोही (इतिहास विभाग)
4. डॉ० गीतांजली (लाईब्रेरी साइंस विभाग)

उपरोक्त कार्यक्रम के नियम निम्नलिखित हैं -

1. रंगोली में एकल रूप अथवा ग्रुप के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं किन्तु ग्रुप में चार से अधिक संख्या में प्रतिभागी नहीं होंगे। रंगोली की समयावधि 1 घंटा होगी।
2. मेहंदी में एकल रूप से ही भाग लिया जा सकता है। इसकी समयावधि 30 मिनट की होगी।

आज्ञा से
(डॉ० सीमा राज)
समन्वयक महिला प्रकोष्ठ



मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर-201204(उ०प्र०)

(समन्वय डॉ० बरुण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद् के द्वारा मूल्यांकित)

दूरभाष संख्या : 01232-243482
दूरभा संख्या : 01232-223620

वेबसाइट : www.mumukshubinagar.org
ई-मेल : info@mumukshubinagar.org

तारीख :

दिनांक : 22-12-2017

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महिला प्रकोष्ठ (2017-2018) के तत्वाधान में महाविद्यालय में एक पोस्टर प्रतियोगिता एवं लघु विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। पोस्टर प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी का शीर्षक है - "नारी सशक्तिकरण के विभिन्न आयाम" सभी इच्छुक विद्यार्थी दिनांक 13-01-2018 तक निम्नलिखित शिक्षकों को अपने नाम दें:

1. डॉ० सीमा राज (समन्वयक, महिला प्रकोष्ठ, साहित्यकी विभाग)
2. डॉ० बसुधा शर्मा (वनस्पति विभाग)
3. डॉ० सुनीता सिरौही (इतिहास विभाग)
4. डॉ० गीतांजली (लाइब्रेरी साइंस विभाग)

आज्ञा से
(डॉ० सीमा राज)
समन्वयक महिला प्रकोष्ठ

गैरर प्रतिभागिता

<u>1) Name</u>	<u>Class</u>	<u>Subs</u>	<u>Ph no</u>
Vaishali	M.Sc III Sem	Mathe	9012640742
2) Sawan Koc	B.A.II	Pol Sc, Hindi, Hist	8755525184
3) Rangana	B.Sc.II	Bio	8434403042
4) Soni	B.A.II		
5)			

सूची

<u>Name</u>	<u>Class</u>	<u>Subject</u>	<u>Ph no</u>
1) Khushi	M.Sc. ITI Ken	Maths	9012640742
2) Divyanshi	B.Sc. I (Bio)		
3) Abhinav Ajankh	B.Sc. II (Bio)		
4) Nisant Puri	M.Sc. I		
5) Rohan Sharma	B.Sc. II (Bio)		
6) ^{Vaibhav} Arjun Tiwari	B. Com II		
7) Kajal Gupta	B.Sc. ITI		

श्री. १
मैट्री प्रतियोगिता

Name	Class	Sub	Ph. no
1) Vairbali	MSc. 1 st Sem	Maths	9012660762
2) Anjaya	B.Sc. I (Bio)		
3) Shwani	B.Sc. I (Bio)		
4) Pooam	B.Sc. III (Bio)		7500572279
5) Ranjana	B.Sc. II (Bio)		8639903042
6) Madani	MSc. IV Sem	Maths	
7) Pallavi	B.A. I		725390826
8) Ketu	'C' level		

उत्तरी प्रदेश

- 1) Kosi, Saran, Dairi, Anchal, Yeghwar
- 2) Bhatnagar, Aditya, Mohit, Saran
- 3) Anshul, Pooja, Bhawana, Tyoti, Anchal
- 4)

सत्र 2021-22

महिला प्रकौष्ठ

(1)

सत्र 2021-22 के सन्दर्भ में महिला प्रकौष्ठ 'शक्ति वीरका' द्वारा राम कथानक विषय पर पौर-र प्रतियोगिता की श्रृंखलाओं आयोजित की गई। प्रथम श्रृंखला ⁽³⁰⁻⁹⁻²¹⁾ के अन्तर्गत प्रतिभागियों ने 'श्रीरामचरित्र' पर 36 दृश्याओं को चित्रों में चित्रांकित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. पी. के. गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रेखा सक्सेना जी रही। महिला प्रकौष्ठ की संयोजिका डॉ. वन्दना शर्मा, निर्वाहक मंडल में डॉ. वी. सी. पाण्डेय, डॉ. विवेकशील, डॉ. मयंक मोहन रहे। सम्मानित प्राध्यापकों में डॉ. दीपक अग्रवाल, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. एम. क्यू अलॉरी खादे उपस्थित रहे।

श्री राम चरित्र पर पौर-र प्रतियोगिता की द्वितीय श्रृंखला 9-10-21 को आयोजित की गई। प्राचार्य महोदय डॉ. पी. के. गर्ग के दीप-प्रज्ज्वलन एवं आशीर्वचनों से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रतिभागियों ने मधुवर्गी पेंटिंग द्वारा जययु प्रसंग, पादुका दान, लक्ष्मण रेखा, राम-शवण पुलंग, हनुमान श्रीराम मिलन द्वारा

1. 'श्री राम चरित्र' का चित्रांकन किया इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी सम्मानित प्राध्यापकों उपस्थित रहे। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार किया गया।

'श्री राम चरित्र' के सन्दर्भ में पोस्टर प्रतियोगिता की अन्तम सुंखला 1.11.21 को आयोजित की गई। दीपावली के शुभ अवसर पर इस आयोजन को एक समग्र प्रतियोगिता (पोस्टर, दीप सजावट, एवं रंगोली) का प्रारूप दिया गया। प्राचार्य महोदय डॉ. पी. के. गर्ग एवं मुख्य अतिथि डॉ. रेखा सक्सेना जी के दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की आराधना एवं माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रतिभागियों ने भगवान श्री राम के जीवन की घटनाओं का सजीव चित्रण करके सभी को आनन्द से भाव-विभोर कर दिया। शबरी प्रसंग, श्री राम का अयोध्या आगमन, शवण पर विषय, आदि सभी चित्रों ने सततगुण के प्रमथ को मानो पुनर्जीवित का कर दिया। महाविद्यालय प्रांगण को प्रतिभागियों की दीपमाला एवं रंगोलियों की सज्जा ने शब्दमयी बना दिया। इस अवसर पर महिला प्रबोधिनी की संयोजित डॉ. वन्दना शर्मा ने अपने आशीर्षकों से प्रतिभागियों को उत्साहित किया एवं सभी को प्रति

आभारमन्वीकृत प्रदान की। विजयी प्रतिभा गणों
को पुरस्कृत किया गया।

महिला प्रबोध के सौजन्य से

1.10.21 को अन्तर्राष्ट्रीय लीलका दिवस के
उत्सव पर 'लीलका की विध्वंसक साक्षरता
सर्व जागरूकता विषय' पर आषाढा प्रतिरोधिता
आयोजित की गयी। ^{प्रचार्य अ. पी. के. गण} सभी गणमान्य प्राध्यापकों
सर्व महिला प्रबोध की संयोजिका डॉ वन्दना
शर्मा ने इस विषय पर अपने विचार रखे।
प्रतिभागियों ने भी वर्तमान समय में
लीलका शिक्षा सर्व सरकार के अग्रिम
प्रयासों से अन्य सभी विद्यार्थियों को
परिचित कराया। आभारमन्वीकृत डॉ
वन्दना शर्मा ने की।

— X — X —

सत्र 2020-21 में महिला प्रकोष्ठ के सौजन्य से 25 जनवरी 2021 को एक निबन्ध-प्रतियोगिता एवं 'पञ्चतन्त्र की कहानियों का वाचन' प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने माँ सरस्वती के आलम्बण एवं दीपप्रज्ज्वलन से किया। निबन्ध-प्रतियोगिता के विषय थे-

1. संस्कृति और आधुनिकता
2. आधुनिक जीवन शैली और गैंग।

लगभग 30 प्रतियोगियों ने अपने विचारों को निबन्ध रूप में प्रेषित किया। पञ्चतन्त्र की कहानियों में 15 प्रतियोगियों ने पञ्चतन्त्र के नैतिक स्वरूप को अक्षिप्त रूप में अभिव्यक्त किया। एवंगोश और और, पूर्व ब्राह्मण, चतुर लोमड़ी, रंग बिरंग, और राजकुमार आपके प्रतिबन्ध स्वरूपों से सभी ने पञ्चतन्त्र के मर्म को समझा। प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने अपने सुवचनों से सभी का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के

सभी गणमान्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।
विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।
आभारोभिव्यक्ति अटला प्रकौष्ठ की संयोजिका,
श्री कन्दना शर्मा ने की।

————— X ————— X —————

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2016-2017
सात दिवसीय सत-दिन के विशेष शिविर की आख्या
21.02.2017-27.02.2017

हमारे महाविद्यालय में सन 2016-17 में सम्पन्नित कार्यक्रमों की श्रुति इकाईयों की सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ दिनांक 21.02.2017 को प्रातः 8 बजे प्रातः बुन्देलपुर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन की नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आर.सी.ओ.आर. श्री पी.के.एन. एवं श्री वि.के.एन. एवं विशेष अतिथि श्री मनीष, प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, पुर्वरकाजी, सहारनपुर से। शिविर के उद्घाटन के समय डॉ० पूर्ण, समाजसेवी शिक्षादात्री, दैनिक समाचार पत्रों के सम्मालनीय पत्रकार वसु तथा अन्य सम्मालनीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन ने सभी स्वयंसेवकों को 10-10 स्वयंसेवकों की टोली में बांट दिया तथा सभी टोली का सम्भारण करने वाले सप्ताह दिनों में होने वाले कार्यों ने जवाबदारी के रूप में कार्य कर निर्दिष्ट किये। तत्पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने काम का समय अवलोकन किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयंसेवकों ने रातोंरात और अपने साथ एक अथवा सम्भव स्थिति में ही रातोंरात जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने सार पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार करना भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् शैक्षिक कार्यक्रम में श्री जयेश्वर जी ने स्वयंसेवकों को अपने विषयों से परिचित किया। शैक्षिक कार्यक्रम की आज की सोची का विषय विनोदीकरण देश के हित में था अथवा अहित में था। इस परिषदों में जहाँ बहादुर टोली ने पक्ष में प्रभावशाली तर्कों से अपने विचार रखे। स्वयंसेवकों के समय पास के ही मैदान में स्वयंसेवकों ने फुटबाल खेली। रात्रि में भोजन के पश्चात् विचारविमोच ने जीवन शैली पर प्रभावशाली किया जिसमें लक्ष्मणों ने फुटबाल मूल्या किया तथा लक्ष्मणों ने सजात सुनाई। इसके अतिरिक्त सभी ने अपने दिन भर के अनुभवों को एक-दूसरे के साथ बाँटा तथा उन पर विचार विमोच किया। रात्रि 11.00 बजे सभी स्वयंसेवक सोने के लिये अपने-अपने कक्षा में चले गये।

शिविर के दूसरे दिन प्रातः 8.00 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा 9.30 बजे तक विले कर्मा से निवृत्त होकर बोन के लिये तैयार हो गये। 9.00 बजे बोन के पश्चात् सभी स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के साथ बोन पर में ही विश्व ऐतिहासिक सिविल सभिर के भी दर्शन के लिये गये जहाँ स्वयंसेवकों को एक उत्तम प्रकार की आध्यात्मिक अनुभूति हुई उस सभिर के अन्दर एक वृक्ष देख भी था जो हमारे अतितात्परि के अतिरिक्त भी तथा दिनांक था। इसमें ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन की नेतृत्व में बोन के सभिर दर्शन में सफल अभियान सञ्चालित तथा कई शेरों की साथ-साथ कई अन्य हिरण्य की अवलोकन के लक्ष्यों से जवाबदारी करवा तथा छात्राओं ने प्रभावशाली के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा में जाकर जवाबदारी कार्य किया। इन सभी कार्यों के


Principal
Multanimal Modi College
Modinagar

2

बीच घामीणों को स्वाधत्ता के विषय में भी अवगत कराया गया। रॉयलर भुगी डेमवंद की टोली को भोजन की व्यवस्था देखनी थी जिसे उन्होंने अवस्था कुशलता के साथ निभाया। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अतिथी श्री किशन जी से उन्होंने सामाजिक जीवन की संरचना एवं सामुहिक परिवार के महत्व पर प्रकाश डाला। आज छात्र-छात्राओं के बीच कम ऊर्जा में **भोजन बनाने की प्रतिस्पर्धा** का आयोजन हुआ जिसमें उनकी साथ-साथ शिक्षक भी उपस्थित अन्य लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतिस्पर्धा में सभी लानीबाई टोली ने विशेष प्रयत्न से भोजन तैयार कर या संदेश दिया किया कि ऊर्जा की बचत किता प्रकृति की जा सकती है। रात्रि में भोजन के पश्चात् किशनबाई ने कॅम्प फीचर के समय गांव के लोगों के साथ बातचीत की तथा उनके स्थानीय घामीण परिवेश के विषय में निकट से जानकारी हासिल की। कुछ स्थानीय घामीणों ने यहां के लोकगीतों को रागनी के माध्यम से सुनाया जिससे सभी स्वयंसेवकों को प्रभावित हुए तथा अपने ही कुछ में इस विधा को सीखने का भी प्रयास किया। उसके पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने आज दिन की कार्यवाही को पूरा किया तथा दिन भर के अपने अनुभवों का बीसा उत कापरी पर उतारा।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः किशन बाई ने निष्पत्तक लोग के समय कार्यक्रम अधिकारी **श्री मयंक मोहन** ने रात से रात के लक्ष्य गीत के पश्चात् स्वयंसेवकों को आत्मदर्शन करने का उपाय बताया जिसमें उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शिविर स्थल पर बैठ-बैठ ही घाम सीकरी धुंधने का अनुभव कराया। आज सभी स्वयंसेवकों ने घाम की टिपरी पर सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आवश्यक बने लिये तथा मुकन्द नाटक के माध्यम से महा, बंधन, अविद्या, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक दुराईधों को और लोगों को ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं ने घामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर स्वाधत्ता एवं छात्र-छात्राई का महत्व बताया। यहां के घामीण क्षेत्र में बहुधा एक समस्या देखने को मिली है कि यहां लोगों के पास वाहनवाहक नहीं है। आज रागनी प्रतिरोधिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरस्वती टोली ने प्रथम, लानीबाई टोली ने द्वितीय तथा सीलीबाई टोली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आज इसी दौरान कुछ एम्पायरस के पुराने स्वयंसेवकों भी शिविर स्थल पर पहुंच गये तथा उन्होंने अपने पहले अनुभव बताते हुए नवे स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषी का आज का विषय महिला बरिधियों में सरकारी योजनाओं की **साधकता** था। जिसमें हमारे अतिथी श्री ब्रजभूषणजी, समाजसेवी ने अपने विचारों प्रकट किया। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज भी घामीण क्षेत्रों में कुछ तो जागरूकता की कमी है और कुछ सरकारी योजना भी अपेक्षापूर्ण है जिसकी परिणाम स्वरूप सरकारी योजनाओं को आम घामीण को उचित रूप से नहीं मिल पा रहा है। आज कॅम्प फीचर के समय गीत-संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने पूरे मनोयोग से भाग लिया तथा स्वयंसेवकों की प्रस्तुती की तथा आपस में मनोरंजन के लिये माध्यम की भी प्रोद्योग किया इसके अतिरिक्त कुछ समाजवादी पर मुकन्द नाटक

Principal
Multanul Modi College
Madinagar

से तैयार किये गये जिन्हा प्रदर्शन रात्री की सोपाल भन करवा एत किया गया जिससे कि छात्रीय समाज की पुस्तक दिखारवाया में कुछ परिवर्तन करने उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र -छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोटिव तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योग कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलसहाय करेंगे। इसके परवात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न छात्रीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी छात्रीयों को दी गइ यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक छात्रीयों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु छात्रीयों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढ़ा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनकी काम आयीगा। इनके अविरचित छात्राओं ने छात्रीय महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अधिका, अज्ञानता एवं रुढ़िवादिता के कारण उनको बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब छात्रीय के बीच पहुँच कर उनसे बात करते थे तो अनेक छात्रीयों ने उनसे सरकारी अधिकारी समझ लिया तथा उनसे बचने का प्रयास किया उस स्थिति में हमारे स्वयंसेवकों ने उन्हें रात में ही के विषय में बताया तथा उनका धम दूर करते हुए उनकी मदद का प्रयास किया। उनके इन प्रयासों का छात्रीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची में आज स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी फलक तथा श्री पुष्पता जी आये उन्होंने उक्त विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया तथा बताया कि हर घर में सौभाग्य की व्यवस्था के लिये सरकार घुँरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उन्होंने इनके साथ ही स्वयंसेवकों का आहवान इस मिशन से जुड़ने के लिये किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका छात्र एवं अध्यापक श्री योगेश तिवारी की रही। आज दोपहर के समय प्राचार्य महोदय ने शिविर का औपचारिक निरीक्षण किया साथ में श्री हरीश कुमार भी थे। प्राचार्य महोदय ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पूरे शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वयंसेवकों को सुझाव देते हुए उनको कार्य की प्रशंसा की। यदि वे शिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके अंतर्गत कव्वाली प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। जिसमें मधना, शुभांगी, मिथिल, मोहित, प्रताना नेहा ने अग्रण प्रदर्शन किया।

शिविर के पाँचवें दिन छात्र -छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूपेन्द्र जी ने सहज योग की विधि बताया थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काली संख्या में छात्रीय लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके परवात् स्वयंसेवकों ने छात्रीयों को सरकार द्वारा उनको लिये बताया जो रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरूकता को प्रकट करने के लिये एक सामुहिक अभियान बताया जिसमें मुखक नोटक के माध्यम से परीज, नया, प्रपुषण तथा जुवा इत्यादि जैसे दुर्दैयों पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची का आज का विषय कृषि बनाम औद्योगिक विकास-देश के विकास में क्या अधिक सहायक है का जिसमें हमारे मुख्य अज्ञा श्री योगपाल जी थे।


Principal
Muktanil Mod College
Modimgar

4

इस मांछी में दानिस, किशनपाल, सायना, रीनु, गुजन ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया तथा कृषि को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी बताया। आज सामान्य ज्ञान प्रतिस्पर्धिता भी आयोजित हुयी जिसमें स्वयंसेवकों ने प्रस्तावपूर्ण तरीके से प्रतिभाग किया इस प्रतिस्पर्धिता में विशाल, ज्योति, कामना, आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन सर्वाधिक पुस्तकालय विद्याल ने जीते। आज लायंस क्लब के माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों ने रक्तदान शिविर लगाकर 36 युनिट रक्त दान दिया। रक्त दान प्राप्त करने के लिये लायंस क्लब की टीम साथ 3 बजे शिविर स्थल पर पहुंची तथा जिसमें डॉ० रोमर ने रक्तदान के विषय में स्वयंसेवकों को मग में उपस्थित कर जोर दिया तथा रक्त दान के लिये प्रेरित किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक सोहन ने रक्तदान के लिये अपना पंजीकरण कराया इसमें परभाव 35 और स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिये पंजीकरण कराया अपना रक्त दान दिया। इस सब शिवि में शाम को 6 बजे रात। तत्पश्चात् सभी लोगों ने खोटी देर आराम कर शाम को भोजन का प्रबन्ध किया तथा 8 बजे तक भोजन कर डीम्प फीवर का आयोजन किया, जिसमें छात्रीय लोगों ने स्वयंसेवकों के साथ पुरानी कलाकारों पर चर्चा की तथा वे छात्रीय कलाकारों आज के समय में कितनी सही है इस पर चर्चा की।

शिविर के छठे दिन प्रातः सात्र ने स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० छवि लवानी, सह-सचिव डॉ० की० एन० सोदी कोडिन्डेशन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सरकार के द्वारा करायी जाने वाली अनेक योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् डॉ० छवि लवानी ने हमारे महाविद्यालय में दो दिन अपनी हैल्थ डेस्क लगाने का वादा किया जिसमें हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी यदि कहीं भी बिल्कुल निशुल्क रोजमरफेका शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। दोपहर भोजन के पश्चात् शैक्षिक क्षेत्र के अन्तर्गत सहज योग से संबंधित कार्यक्रम हुआ जिसमें साजरा योग की स्टेट इनस्ट्रक्टर, डॉ० भूपेन्द्र लवानी, मेरठ सेंटर की कोर्डीनेटर श्री जयवीर सिंह जी, सोदीनगर सेंटर की कोर्डीनेटर श्री रीतेश राय जी तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ० जयका शी० लाल साहब के अतिरिक्त लगभग सोदीनगर एवं मेरठ क्षेत्र के अन्य परामर्श व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। राध्या के समय में ही प्रतिस्पर्धिता का आयोजन हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बह-चक्रर शिन्धा लिया इसमें सजना, मुन्दी, कामना ने प्रतिभाग किया तथा अपनी मेहनती कला का प्रदर्शन किया। आज सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत झरक-झांझली ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लडि ने भोजन के पश्चात् शिवालयी ने डीम्प फीवर के समय अपने हास किया गये पूर्व जायी की समीक्षा की तथा अगिल दिन को प्रस्तुत किये जाने वाले संग्राम समारोह में किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारी की। इसके अन्तर्गत मुख्यक साठक, नृत्य, गायन तथा रागनी की विशेष तैयारी की गई इसके अतिरिक्त इस बात पर भी विशेषण हुआ कि इन छः दिनों में छात्रीय समस्यारों का विश्लेषण किया जाना अब संभव लगभग हो सकता है। इसके लिये

Principal
Mulanmal Modi College
Mudhagar

स्वयंसेवकों ने अपनी-अपनी टोली की रिपोर्ट तैयार की तथा यह सुनिश्चित किया कि वे रिपोर्ट किसी स्वाम अधिकारी से सम्बन्ध रखी जाये जिससे कि राष्ट्रीय सेवा की समस्त का कुछ सम्बन्ध हो सके।

शिविर के अन्तिम तथा आखिरी दिन छात्र-छात्राओं ने सम्प्रदायिकों के सहयोग के लिये अपने अन्तर्गत देने हेतु राम का प्रमाण किया इससे साथ ही उन्हें आश्वासन भी दिया कि उनकी समस्याओं को शासन के समक्ष रखकर कुछ न कुछ सम्बन्ध निजगतने का अवसर प्रदान किया जायेगा। 1 बजे शिविर में पहुँचकर स्वयंसेवकों ने भोजन तैयार किया। दोपहर लगभग 3 बजे प्राचार्य सहोदय डॉ० आर्य जी जल साहब, विज्ञान अधिकारी डॉ० मृगेश तानी उनके दो सहायक तथा राम के अन्य सम्बन्ध व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसने स्वयंसेवकों ने सरकारी कन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगरंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें सहोदय एवं सम्बन्ध से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ से सम्बंधित समस्याओं को दर्शाते हुए आदिभ्य, सैतु, अमित, इत्यादि से गुरुसूत्र नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र-छात्राओं ने इस बात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निश्चित वे सभी स्वयंसेवकों को प्रयास से कुछ की गये एक सन्दूक एवं 50 रुपये की सरकारी महाविद्यालय के एन्ट्रान्स एन्ड इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने आत दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल एक दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहाँ सिखा है उन आदर्शों को जीवनभरके निभाया है। अन्त में प्राचार्य सहोदय ने छात्रों के आत दिवसीय विशेष शिविर के सम्बन्ध की विधियात् घोषणा करते हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतावे जिससे कि उनमें भी समान की प्रति आसने करनेवाली उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली।

K.M.
Principal
Muhannaal Modi College
Modinagar

शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	29
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	38
3	ग्रोइ शिक्षा प्रदान करना	23
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	56
5	वृक्षारोपण करना	72
6	सामाजिक कुरीतियों का विरोध करना	11
7	दुर्घटियों को सिलाई, एच बुनाई सिखाना	19
8	समाज के प्रति निष्कल युवा वर्ग के यशस्वी के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	24
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	36
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एच आस -पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	54
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर शैलियों के माध्यम से जानकारी देना	9
12	रक्तदान किया	36

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ० मयंक मोहन

Principal
Mahantlal Modi College
Modinagar

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2017-2018
सतत दिवसीय दिन-रात के विशेष क्विज के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाईयों के सतत दिवसीय (दिन-रात) क्विज का शुभारम्भ दिनांक 09.01.2018 को प्रातः 8 बजे राम भूषेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सत्यक मोहन जी के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आरसी०लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ० पी० वी० गर्ग थे। क्विज के उद्घाटन के समय डॉ० विवेकशेखर, श्री बी०एम०जी०, दैनिक समाचार पत्रों के सम्बन्धीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य सम्बन्धीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के परमपुत्र स्वयं सेवकों ने राम का स्नान उपलक्ष्य किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने प्रश्नोत्तरी और अपने-अपने भेदा एक अष्टम सम्मेलन आयोजित करते हुए सामान्य जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिए विचार-मंचन भी किया। उद्घाटन भोजन के परमपुत्र बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मनोज जी ने स्वयं सेवकों को 'गुरु गणेश विद्या जी की जयन्ति के अवसर पर उनकी विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की शैली का विषय 'स्वतंत्रता हमारा जन्म विद्या अधिकार है' था। जिसमें स्वराज जैसे विषय को लेकर नई-नई परिभाषायें सामने आयीं इसमें अतिरिक्त प्रश्नों एवं अतिथियों ने बहुत ही सहभागिता तरीके से अपनी-अपनी को सहायता दी। सत्र 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के परमपुत्र सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर सतत बहादुर शायरी स्तुति जिसमें कि क्विज का आयोजन किया गया था उस स्थान की सहायता-सहकार्य की। सत्र 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ ज्ञान-परा के क्षेत्र में प्रश्नोत्तरी निकाल गये। सत्र 6 बजे के सम्मेलन चारों इकाईयों के स्वयंसेवक गुणगुण विद्या क्विज स्तन पर आयोजित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि गुणगुण की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने अत्यन्त सहाय्य की संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयों सम्मिलित रूप से एक ही स्थल पर आयोजित होकर सम्पन्न करेंगी तथा अगले दिन प्रातः योगसभा के परमपुत्र सभी इकाईयों अपने-अपने कार्यक्रम में लगे जायेंगी। स्वयंसेवकों ने सत्र भोजन की शैली अत्यन्त उत्तम थी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारियों की मदद ली। भोजन का कार्य सम्पन्न सत्र 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके परमपुत्र योग और ज्ञाना गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न



कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। यानि दस बजे लडको के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी शर्मा तथा लडकियों के दल के साथ श्री सीमरजन जी शर्मा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मधुक मोहन के नेतृत्व में राम भूदेन्द्रपुरी की महिला क्षेत्र में सफाई अभियान कराया तथा बच्चों को साथ-साथ अपने हुए धानीयों को स्वच्छता के लक्षों से अवगत कराया इसके साथ ही पूर्व सत्र 2016-17 में किये गये अपने दल किये गये कार्यों की समीक्षा भी की। यहां यह देखकर आश्चर्य लगा जिन क्षेत्रों में सत्र 2016-17 में हमारे स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान कराया था तथा लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया था वह इस वर्ष काफी सफा-सफाई देखने को मिली। यहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि पूर्व सत्र 2016-17 में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने जो भी बात धानीय महिलाओं को सफाई की वे उनका जीवन बनने में सक्षम रही।

बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अधिष्ठी श्री योगेन्द्र शर्मा जी ने उन्होंने विद्यार्थियों के लिये सामान्य ज्ञान के महत्व को बताते हुए उन्हें अपने व्यक्तिगत विकास को निरन्तर समृद्ध करने के लिये प्रेरित किया। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं के बीच सद-विचार प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ जिसमें उनके साथ-साथ शिक्षित अन्य लोगों ने भी बड़ा-बड़ाकर हिस्सा लिया। सत्र 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिक्षित स्वतः की सफा-सफाई की। सत्र 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आज-पस के क्षेत्रों में प्रस्थान हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं डिस्कट खोलकर अपना समीक्षण किया इस खेल में उनके साथ स्पर्धी बंधों भी लग गये जिसके कारण स्पर्धीय निवासियों के साथ हमने शिक्षित के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सत्र 6 बजे की लगभग घंटे दुकानों के स्वयंसेवक पुनः कुम्हारगुज स्थित शिक्षित स्वतः पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने यानि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की विद्यार्थी दुकानों में भोजन बनने का कार्यक्रम प्रारम्भ किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सीमरजन जी सहित की। भोजन का कार्य समाप्त यानि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फील्ड लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्पर्धीय लोगों ने अपनी प्रस्तुती की जिससे कैम्प का वातावरण सजीवमय हो गया। यानि दस बजे लडको के दल के साथ

Principal
Multinational Modimgar

टी0 मयंक मोहन से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमाकाज जी सी। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा टी0 अमर सिंह कश्यप अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा विठौर में रहे।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन के नेतृत्व में घण्टी की दीवारी पर हाथ से बने घण्टी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक नदरे लिये तथा मुद्रकल भाटक के माध्यम से नरक दरोह अथवा अतिव्ययन इत्यादि सामाजिक दुर्घटनाओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिविर के 44 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के माध्यम से पन्ना पीलेखो अभियान के अन्तर्गत बच्चों को दवाई पिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बी0एल0ओ0 की ड्यूटी घण्टीय क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसमें उन्हें लोगों की बीटर जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करनी थी। हमारे स्वयंसेवकों ने बी0एल0ओ0 की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी बीटर जाई0 की जाई बन रहा है। जिसकी वजह से बच्चोंको प्राणीय अपने-अपने बीटर जाई0 की जाई बनवाने में सफल रहे। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषणा का आज का विषय शिक्षक एवं शिक्षार्थी था। जिसने हमारे अतिथी श्री अशोक त्यागी जी रहे। जिसने ने अपने औजस्वी विद्यार्थी से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के परस्पर संबंधों को नये तरीके से परिभाषित करने हेतु उन्हें एक-दूसरे का पूरक बताया। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की साफ-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टी0जी के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। साथ 6 बजे के लगभग घण्टी इकाई0 की स्वयंसेवक पुनः कुम्हारखुज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने सत्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन सार्वविद्यालय की कृषि इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार प्रदान किया जिसने उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन जी मदद ली आज भोजन के समय कुछ स्थानीय निवासी भी आ गये तथा उन्होंने भी स्वयंसेवकों के साथ ही भोजन किया। पश्चात् उन्होंने कहा कि ये अगले दिन वर्षा ऋतु में गुठ और भारी स्वयंसेवकों के लिये निजवाले। भोजन का का कार्य लगभग सत्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् बीच बीटर लगात 11 बजे स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति थी। सत्रि 10 बजे जयकों के दल के साथ श्री अमर सिंह जी से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमाकाज जी सी। कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन तथा टी0 योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा विठौर में रहे।

Kal
Principal
Mahanimal
Modi

10

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के नेतृत्व में विभिन्न राष्ट्रीय क्षेत्रों में पुष्पारोपण किया तथा कृषि ज्ञान से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी राष्ट्रीय क्षेत्रों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीटा जलने की समस्या पहले से कम देखने को मिली। लेकिन हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग की अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविर में आमंत्रित किया तथा राष्ट्रीय क्षेत्रों की कृषि से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इनकी अतिरिक्त छात्राओं ने राष्ट्रीय महिलाओं एवं बच्चों की इन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अधिका, अज्ञानता एवं संवेदायिता के कारण उनके क्षेत्र में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवा संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति मालिनी जी ने छात्राओं के उत्साह कायम की प्रशंसा की तथा स्वयं अपनी राय देकर इन छात्राओं को साथ राष्ट्रीय क्षेत्रों का समर्थन किया। उनके इन प्रयासों का राष्ट्रीय द्वारा पूर्ण प्रत्यक्ष से स्वागत किया गया। आज प्रधानमंत्री मोदी ने शिविर का औषक निरीक्षण किया तथा शिविर को अच्छे संभालने के लिये कार्यक्रम अधिकारी को बधाई देते हुए स्वयंसेवकों की उनके अच्छे कार्य के लिये प्रशंसा की। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय था सहज योग आज का महायोग जिसने आज के हमारे अस्तित्व को लोकेत की तथा शैमिती नीतु में। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को चारों दुर्गाओं ने समर्थन रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। श्री लोकेश जी सहज योग के अन्तर्गत शरीर में सात चक्रों की व्याख्या की तथा इसे विज्ञान से जोड़ते हुए इसकी महत्व पर प्रकाश डाला। चूंकि आज का बौद्धिक कार्यक्रम समर्थन रूप से कृष्णचक्र शिविर स्थल पर ही बनाया गया था इसलिए आज सांभार चक्र को चारों राष्ट्रीय समर्थन के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेलें जिसने छात्राओं द्वारा खेलों तथा छात्रों द्वारा कबड्डी तथा वीथ का खेल उत्तेजनीय रहे। साथ ही बच्चे स्वयंसेवकों ने सवि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की बचत दुर्गा ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसने उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेश जी की मदद ली। भोजन का का कार्य लगभग सवि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फीवर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में समर्थन का प्रदर्शन किया। सवि दस बजे लड़कों के दल के साथ श्री मयंक मोहन जी तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० श्रीमती जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह करण तथा डॉ० योगेश अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ चुल्हा शिविर में सोये। आज सवि कुछ असांगठिक कार्य में कुछ लड़का मचने की कोशिश की लेकिन चारों

कार्यक्रम अधिकारियों की तत्परता, स्थानीय लोगों का सहयोग तथा स्वयंसेवकों की समझदारी से कोई भी अड़ियल घटना घटित नहीं हुई।

शिविर के पांचवें दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग जाये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ अद्यात्म किया तथा छात्रों ने डॉ० सीताराम एवं श्री सुप्रेम जी के साथ योगाभ्यास किया। नाश्ते के पश्चात् 9 बजे सहजयोग की शिपे श्री लीकेश कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के साथ स्वरा के आकार पर सुदृढ़नी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ घाम सीकरी गई तथा महा के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् धारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी घाम की विभिन्न दलित मोहकों में सामाजिक कुरियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एनएचएचएच अधिकारियों ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। यहां उल्लेखनीय है कि दोपहर भोजन के प्रबंध के लिये धारा इकाईयों के 5-5 स्वयंसेवक शिविर स्थल पर ही रुके थे जिन्होंने पूर्ण सुरक्षता के साथ अपने कार्य को पूरा किया। बौद्धिक कार्य के अन्तर्गत सांघ 4 बजे श्री प्रभात शर्मा जी, स्पेशल हाइम ड्रांग अधिकारी, दिल्ली हमारे लक्ष्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव हमारे साथ साझा करते हुए स्वयंसेवकों को इस विषय के बारे में जानकारी दी कि यदि उन्हें पुलिस विभाग में सेवाएं देने की इच्छा है तो वे किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से उनके साथ घातलाप किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सचनों स उस क्षेत्र के तरीक शिक्षारियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांघ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। सांघ 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोपी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांघ 6 बजे के आसपास स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की भ्रमण एवं दिशिप इकाईयों ने भोजन


Principal
Muhaimal Modi College
Modinagar

13

जाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० बीमाहाज जी मदर जी। भोजन का कार्य उत्तमग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प चौदर लगाया गया स्वयंसेवकों अंतर्गामी का प्रोग्राम किया जिसमें लड़कियों की टोली बिलयी रही। इन्ही साथ श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि 11 बजे लड़कों के दल की साथ श्री मयंक मोहन खे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० बीमाहाज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुखा शिविर में रहे।

शिविर के छठे दिन सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के साथ ग्राम भूरेन्द्रपुरी में अपने द्वारा किये गये कार्य का आलोचना किया तथा साथ ही ग्रामीणों की सहायता से वृक्षारोपण का भी कार्य किया। रात 8 बजे जो वृक्षारोपण स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था ग्रामीणों की अच्छी देख-रेख के कारण वे काफी विकसित हो चुके थे। दोपहर 11 बजे मुख्यतः कटक के माध्यम से दहीज दिनेश्वरी, लडका, लडकी में भेटभाव, जुआखोरी एवं नारायणरी से संबंधित समस्वाकों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। ग्राम प्रधान श्री रमेश जी द्वारा वहाँ के स्थानीय विद्यार्थियों की समस्वाकों का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बड़-बड़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोभा का आज का विषय रक्त दान, महादान था। जिसमें पोस्टर कल्प की सहाय्य अपनी कम लेकर आये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्त दान करने से होने वाली बाधाओं को स्वयंसेवकों की मन से दूर किया तथा उसकी सामाजिक तर्कों से अवगत कराया। उनसे प्रेरणा पाकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन रात्रि 12 स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया जिसके उपरान्त दोपरी कल्प वाली ने उन सभी स्वयंसेवकों की प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जिसके माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर वे एक यूनिट रक्त कमी की उस संख्या से ले सकते हैं। रात्रि 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा परतों आज-प्रातः के सैजों की साफ-सफाई की। रात्रि 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ विभिन्न प्रकार की किताबों में व्यस्त हो गये। रात्रि 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की वेद्यों प्रारंभ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की पूर्ण एवं चतुर्थी इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन तथा श्री योगेन्द्र जी मदर जी। भोजन का कार्य उत्तमग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्

दीर्घ खीर लगाया गया जिससे सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कुछ समय की लिये अपने-आपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समापन शिबिर के विषय में परिचर्चा की। लॉकेट देना बड़े लड़कों के दल को समय की मजक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल को समय डी। सी. माराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डी। अमर सिंह कश्यप तथा डी। योगेन्द्र अपने-अपने दल को कुछ लड़कों के साथ सुझा शिबिर में रहे।

शिबिर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 8 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने प्रायश्चित्तियों के सहयोग के लिये उन्हें बन्द्यास देने हेतु राम का स्मरण किया तथा धार्मिक क्षेत्र की वरिष्ठ नागरिकों से अप्रार्थ किया कि वे दोपहर 2 बजे शिबिर के समापन समारोह में आकर उनकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे सभी इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णकुंज में लगे शिबिर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की सभी इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी विहसल में लगे गये वाली ने दोपहर को भोजन की तैयारी की। 1:30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अरुण कुमार जी समस्त समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिबिर के समापन समारोह में सहज योग से श्री लोकेत कुमार जी भी आये। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् डी। मजक मोहन, डी। सी. माराज, डी। अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने-अपने शिबिर की सात दिवसीय (दिन-रात) शिबिर की प्रशंसा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने समापन कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख के अतिरिक्त नाटक का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पंजर प्रतिवेगिता में निर्वाचक की भूमिका भी निभाई। सभी इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एनएस्कएस्क के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर परजान बन्धुजी ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। एनएस्कएस्क कार्यक्रम अन्तर्गत डी। मजक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई की। शिबिर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिबिर स्थल को एनएस्कएस्क का सामान देकर महाविद्यालय में पहुँचाया।

Vishal
Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

(14)

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	160
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	80
3	बी0एन0ओ0 की मदद से वॉटर आई0डी0कनेक्ट बनवाये	152
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	62
5	दुधारोपण करना	25
6	सामाजिक कुसृष्टियों का विरोध करना	13
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	22
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के शक्ति के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	36
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	17
10	मकान / घरो के अन्दर और बाहर एंव आस - पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	52
11	राष्ट्रीय एकता एवं भातदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	10
12	रक्तदान किया	37

डॉ० मयंक मोहन
कार्यक्रम अधिकारी
तृतीय इकाई

Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

(16)

शिबिर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० नयंक मोहन के नेतृत्व में सप्ताह दिवस के पारम आचर पर ध्वजारोहण के लिये महाविद्यालय में रैली के रूप में पहुंच गये महाविद्यालय प्राण्य में टीक 10 बजे प्राचारी नवींदर द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा सभी स्वयंसेवकों ने शिबिरों की प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। दोपहर लगभग 12 बजे सभी स्वयंसेवक अपने कार्य-स्थल पर लौट आये तथा प्राचीन क्षेत्रों में सामाजिक कुरियिधियों की ओर प्राचीनों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुकसंद नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथी श्रीमती मनीषा शिबिर जी थी जो कि श्रीमतीमगर क्षेत्र की एक सुप्रसिद्ध कवित्री भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को काव्य और गद्य की कथीकियों को बताते हुए अपने देश भक्ति के ऊपर कई कविता सुनवाई तथा इस प्रकार के आयोजनों में प्रतिभाग करने के लिये प्रेरित किया। राय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिबिर स्थल की साफ-सफाई की। राय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ जल-पत्रा के बोझों में लण्य हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उत्तम-सम स्थानीय बाले भी जन गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ समरे शिबिर के साथ परिचारिक सहज बन गया। राय 8 बजे के लगभग यहाँ इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कुष्मकुष्म स्थित शिबिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिससे आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिससे कुलीने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० श्रीमतीमगर की मदद रहे। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् कैम्प की ओर लण्य गये स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय श्रीमती ने रात्री प्रस्तुत की जिससे कैम्प का आनन्दन संतीतमद हो गया। रात्रि दस बजे लण्य के दल के साथ डॉ० नयंक मोहन रहे तथा लण्यियों के दल के साथ डॉ० गीतामती जी (श्री० श्रीमतीमगर जी के अस्वा होने के कारण) रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कारण अपने-अपने दल के कुछ लण्यों के साथ सुरक्षा शिबिर में निश्चम किया।

शिबिर के तीसरे प्रातः 6 बजे स्वयंसेवकों ने सोप किया तथा जलपान के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी डॉ० नयंक मोहन के नेतृत्व में राम की मस्तिन क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। लण्य कई क्षेत्रों की साफ-सफाई करते हुए प्राचीनों को स्वच्छता के लण्य से अवगत कराया इसकी साथ ही पूर्व सत्र 2017-18 में किये गये लण्ये द्वारा किये गये कार्य की संकीषा भी की। यहाँ यह देखकर अच्छा लगा जिन क्षेत्रों में सत्र 2017-18 में हमारे स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाया था लण्य लण्यों को सफाई के प्रति जागरूक किया था तथा इस वर्ष कलकी साफ-सफाई देखने को मिली। यहाँ यह बात स्थान देने योग्य है कि पूर्व सत्र 2017-18 में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने जो भी करते प्राचीन महिलाओं

Principal
Municipal Hindi
Medium

को समझाई थी वे उनका पालन करने में लगे रहें। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय नोटबन्दी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव था। जिसने हमारे अतिथी श्री सुमन सोमरी जी रहे। जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था पर नोटबन्दी के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही पक्षों को अच्छे से समझाया था। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिदिर स्थल की सफाई-समाई की। साथ 5 बजे स्वयंसेवक अपने-अपनी टोली के साथ आज-प्रातः के भोजन में अलग हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने चर्ची क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनका साथ स्थानीय क्लब भी रहा था जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिदिर के साथ धार्मिक भाई बन गया। साथ 6 बजे के लगभग सभी इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कुष्मायुज स्थित शिदिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने शक्ति भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की दूतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार चलाया जिससे उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गौतमजी जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैंप खींचकर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने अपनी प्रस्तुती की जिससे कैंप का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे तकको के हल के साथ डॉ० मदन भोजन रहे तथा स्वयंसेवकों के हल के साथ डॉ० गौतमजी जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कारण अपने-अपने हल के कुछ तकको के साथ कुष्मायुज शिदिर में लगे।

शिदिर के तीथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन भोजन के नेतृत्व प्राप्त की दीवारी पर हल से बने देनरी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक भारे लिये तथा नुकसन्द नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अन्वेषण इत्यादि सामाजिक कुतर्कों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिदिर के 52 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के सन्तान से प्राप्त बोटिंग अभियान के अन्तर्गत बच्चों को पढ़ाई मिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बौद्धिककार्यक्रम की दायिती धारण क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसने उन्हें लोगों की चोटन जाई हो बनाने की प्रक्रिया पूरी करने की हमारे स्वयंसेवकों ने बौद्धिककार्यक्रम की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी चोटन जाई हो कार्य बन रहा है। जिसकी वजह से अनेकों धार्मिक अपने-अपने चोटन जाई हो कार्य बनाने में सफल रहे। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने विभिन्न धार्मिक क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी प्रायोगों को दी। समाज सेवा संस्था के कार्यकर्ता श्री भानुप्रताप जी ने स्वयंसेवकों को एकत्र करके की प्रस्ताव की। उनका इन प्रयासों का धार्मिकों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। आज प्राचार्य महोदय ने शिदिर का जीवन निरीक्षण किया तथा शिदिर के अर्थ संचालन के लिये कार्यक्रम

Principal
Mahantmal Modi College
Modinagar

अधिकारी को ब्याई देते हुए स्वायत्तियों की उनके अपने काम के लिये प्रस्ताव ली। शैक्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय वा सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के अपने अधिवि श्री लोकोश जी तथा श्रीभक्ति नीतू थे। श्री लोकोश जी सहज योग के अन्तर्गत हरि ने सात बजों की प्रारम्भ की तथा इस विज्ञान से जोड़ते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्णिमा आज का शैक्षिक कार्यक्रम अगले रविवार से सृष्टानुसार शिविर स्थल पर ही बनना गया था इसलिये आज सात बजे कोई भी स्वयंसेवक प्रयोग को लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले। सात 8 बजे स्वयंसेवकों ने सवि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की श्रुति इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार इलान किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का का कार्य प्रारम्भ करि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् श्रीमत् श्रीदेव प्रसाद शर्मा स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु सन्देशों का प्रदर्शन किया। सवि इस बजे लड़कों के दल के साथ श्री अमर भोजन जो तथा लड़कियों के दल के साथ श्री लोकोश जी श्री कार्यक्रम अधिकारी श्री अमर सिंह सरस्वत तथा श्री योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुष्वा शिविर में लगे।

शिविर के पांचवें दिन सात 9 बजे सभी स्वयंसेवक आज गये तथा छात्रों ने श्री अमर भोजन एवं श्री अमर सिंह सरस्वत के साथ व्यायाम किया तथा प्रासादी ने श्री लोकोश एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगप्रदान किया। पश्चात् 9 बजे सातयोग की लिये श्री लोकोश शर्मा जी ने स्वयंसेवकों का प्रेरित किया तथा संगीत के साथ स्वयंसेवकों के अग्रिम पर सुन्दरगी प्रस्तुत करने का प्रयास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ दल सीकरी गये तथा छात्रों के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया। पश्चात् चारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी पार्क की विभिन्न दलित भौतलों में सामाजिक सुरक्षितों और विभिन्न विज्ञान से संबंधित छात्रों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयीं। यहाँ सभी एनएलएसएलएल प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रभावशील की तथा बताया कि इस प्रभावशील के माध्यम से ही जनकी कार्य का आह्वान किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात् भगवान बुद्ध रत्न लोच के माध्यम से स्वयंसेवकों में सत्ता दान किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सामानों से लस क्षेत्र के परीय विद्यार्थियों के लिये कुछ वस्तु सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने सरकार एकेजरी के सहायक सहाय्य की लिये दी। सात 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सात 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने सवि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम

एक द्वितीय दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० सीमराज जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया स्वयंसेवकों आकाश्री का प्रयोग किया जिसमें लड़कियों की टोली नियुक्त की। दूसरी मध्य की योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूरे। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ की मंचक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

शिविर के छठे दिन छात्राओं ने प्रश्नवाली के माध्यम से परीक्षा बोर्ड में जाकर सही किया तथा वहां की समस्याओं को निकटता से जाना तथा सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन के साथ अपने द्वारा किये गये कार्यों का अवलोकन किया तथा साथ ही धार्मिकों की संज्ञाएत से प्रभावितों का भी कार्य किया। दोपहर 11 बजे मुख्य नाटक की माध्यम से विशेष विशेषी एवं नशाखोरी को संबोधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। राम प्रधान की रंगत जी द्वारा बाल के स्वस्थता-कार्यियों की समस्याओं का निराकरण करने का अवलोकन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बड़-बड़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोधी का आज का विशेष कार्यक्रम उचित है अथवा अनुचित था। जिसमें स्वस्थता धार्मिकों ने अपने-अपने विचार रखे। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की सफा-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ डिम्बल प्रकार की क्रियाओं में व्यस्त हो गये। साथ 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की रोचक प्रारम्भ का भी जिसमें आज के दिन सहविद्यता की तृतीय एवं चतुर्थ दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन तथा की योगेन्द्र जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कुछ समय के लिए अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी दृष्टांतों की स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समाप्त शिविर के विषय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ की मंचक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

Kal
Principal
Mithankot

3

शिविर के अंतिम तथा रातों के दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 6 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। रातों के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने दानकारियों के सहयोग के साथ उन्हें धन्यवाद देने हेतु राम का भजन किया तथा धार्मिक शीत के अतिथि भागद्वारा से आयोजित किया कि वे दोपहर 2 बजे शिविर के समापन समारोह में आकर उसकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कुलाकुस में लगे शिविर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की चारों इकाईयों का सम्पन्न एक साथ होने सुनिश्चित हुआ था। यहां जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी दिशालय में लगे गये बाकी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1.30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अनिल गोविंदा जी सम्पन्न समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिविर के समापन समारोह में संस्कार भारती एकदमी के सल्लापक श्री प्रभात जी भी उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् प्राचार्य सहाय श्री मयंक मोहन, श्री सीमरराज, श्री मीताजली, श्री अमर सिंह करण्य तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने-अपने शिविर की सहाय विवरण प्रस्तुत की। तत्पश्चात् चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों ने संगीत कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख्य के अतिरिक्त नाटकों का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्माण की भूमिका भी निभाई। चारों इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवी की साक्षात् किया। एक पुराने एनएलएसएल के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से शोभाओं को संजुग्ध कर दिया। अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर राजकार सम्पुर्ण ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का प्रसाद बढ़ाया। एनएलएसएल कार्यक्रम प्रभाती श्री मयंक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली। शिविर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों की साथ मिलकर शिविर स्थल से एनएलएसएल का सम्पन्न आपस महाविद्यालय पहुंचाया।

Principal
Maitanmal Modi Coll.,
Modinagar

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन को ताम भताना	28
3	वीडएलओकी मदद से बौदर आईडीकार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	पुशरोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	पुस्तकियों को सिलाई, एवं बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा धर्म के दायित्व के अन्वय के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एवं आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रीतिरिवाज के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mintanmal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में संचालित 10से0यो0 की चतुर्थ इकाई सत्र 2018-19 के सात दिवसीय शिविर का पुनारम्भ दिनांक 01.02.2020 को प्रातः 9 बजे ग्राम कृष्णा कुंज पश्चिमी, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आर० सी० लाल, डॉ० ए० शर्मा, डॉ० वी० शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ० मयंक मोहन जी, थे। शिविर के उद्घाटन के समय श्री मन्जूश्री, तथा अन्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुजाता, डॉ० मनीषा बालियान, श्री सुरेन्द्र दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने घयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में विशाल, मनीष, दीपिका तथा अन्य स्वयं सेवकों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता, दहेज प्रथा गंगा सफाई सम्बन्धित कार्यों पर अपने व्याख्यान दिये। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर अपने शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे


Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 8 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुरक्षा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य महोदय को संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयां समवेत रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करें तथा अगले दिन प्रातः योगाभ्यास के पश्चात् सभी इकाईयां अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट जायें। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र जी अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।



कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 02.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के द्वितीय दिन की आख्या

शिविर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में योगा अभ्यास किये तथा लक्ष्य गीत गाकर दिन का शुभारंभ किया। स्वयंसेवक विभिन्न टोलियों में बटकर सर्वेक्षण के लिए दलित बस्ती में भ्रमण किया तथा स्वयंसेविकायें डॉ. मनीषा बालियान के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरितियों की ओर ग्रामीणों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुक्कड़ नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथि श्रीकान्त गौतम जी जो कि हमारे महाविद्यालय के सहायक अध्यापक हैं। उन्होंने मानव जीवन में पशु पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया


Principal
Muhmmal Modi College
Modinagar

जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा बालियान की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सुजाता जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





KVC
Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 03.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के तृतीय दिन की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात् महाविद्यालय पहुंचे जहां पर, खून तथा दातों की जांच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आकर्षक नारे लिखे तथा नुककड़ नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अपिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अनित कुमार भारोतोलक चैंपियन ने अपने स्वास्थ्य को कैसे ठीक रखे पर अपने विचार दिये। अनित जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गीताजंली जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

K. M.
Principal
Mistankmal Modi College
Modinagar

साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० गीताजंली जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कथ्यप अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





Kul
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना

दिनांक: 04.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के चतुर्थ दिन की आख्या

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना एवं डॉ० सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीड़ा लगने की समस्या अधिक देखने को मिली जिसे देखकर हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविरमें आमंत्रित किया तथा ग्रामीणों की विभिन्न कृषि से संबंधित समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अक्षिा, अज्ञानता एवं रुढ़ियादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवी संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति नीलिमा जी ने छात्राओं के उक्त कार्य की प्रशंसा की तथा स्वयं काफी समय तक उन छात्राओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। सांय 2 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विशय था सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के हमारे अतिथि श्री लोकेश जी तथा श्रीमति नीतू थे। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को धारों इकाईयों ने

K.K.
Principal
Mubtani Mal Modi College
Modinagar

समवेत रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। वैशाली निगम जी ने समाज सेवा के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि हम समाज से कैसे जुड़ सकते हैं तथा उनके लिए क्या क्या कार्य कर सकते हैं। वैशाली निगम जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। आज का बौद्धिक कार्यक्रम समवेत रूप से कृष्णाकुंज शिविरस्थल पर ही बनाया गया था इसलिये आज सांय चार बजे कोई भी स्वयंसेवक भ्रमण के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले जिसमें छात्राओं द्वारा खो-खो तथा छात्रों द्वारा कबडडी तथा दौड का खेल उल्लेखनीय रहे। सांय 6 बजे स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की चतुर्थ इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Mulanimal Modi College
Modinagar



Kul
Principal
Mritanjali Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 05.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के पंचम दिवस की आख्या

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीमाराज एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाष्टे के पश्चात् 9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेष कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुंडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् चारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन०एस०एस० प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात् भगवान बुद्ध रक्त कोश के माध्यम से स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया। आज सभी स्वयंसेवक

अपने-अपने व्यक्तिगत साधनों से उस क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सायं 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सायं 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉरर लगाया गया स्वयंसेवकों अताक्षरी का प्रोग्राम किया जिसमें लडकियों की टोली विजयी रही। इसी मध्य श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





V.S.M.
Principal
Maharajal Modi College
Modinagar

से तैयार किये गये जिन्हा प्रदर्शन रात्री की सोपाल भन करवा एव किया गया जिससे कि छात्रीय समाज की पुस्तक दिखारवाया में कुछ परिवर्तन करने उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र -छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोटिव तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योग कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलसहाय करेंगे। इसके परवात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न छात्रीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी छात्रीयों को दी गइ यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक छात्रीयों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु छात्रीयों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढ़ा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनकी काम आयीगा। इनके अविरचित छात्राओं ने छात्रीय महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अधिका, अज्ञानता एवं रुढ़िवादिता के कारण उनको बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब छात्रीय के बीच पहुंच कर उनसे बात करते थे तो अनेक छात्रीयों ने उनसे सरकारी अधिकारी समझ लिया तथा उनसे बचने का प्रयास किया उस स्थिति में हमारे स्वयंसेवकों ने उन्हें रात में ही के विषय में बताया तथा उनका धम दूर करते हुए उनकी मदद का प्रयास किया। उनके इन प्रयासों का छात्रीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची में आज स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी फलक तथा श्री भूषण जी आये उन्होंने उक्त विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया तथा बताया कि हर घर में सौभाग्य की व्यवस्था के लिये सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उन्होंने इनके साथ ही स्वयंसेवकों का आहवान इस मिशन से जुड़ने के लिये किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका छात्र एवं अध्यापक श्री योगेश तिवारी की रही। आज दोपहर के समय प्राचार्य महोदय ने शिविर का औपचारिक निरीक्षण किया साथ में श्री हरीश कुमार भी थे। प्राचार्य महोदय ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पूरे शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वयंसेवकों को सुझाव देते हुए उनको कार्य की प्रशंसा की। यदि मैं शिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके अंतर्गत कव्वाली प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। जिसमें मधना, शुभांगी, मिथिल, मोहित, प्रताना नेहरु ने अग्रण प्रदर्शन किया।

शिविर के पांचवे दिन छात्र -छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूषण जी ने सहज योग की विधि बताया थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काफी संख्या में छात्रीय लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके परवात् स्वयंसेवकों ने छात्रीयों को सरकार द्वारा उनको लिये बताया जो रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरूकता को प्रकट करने के लिये एक सामुहिक अभियान बताया जिसमें मुखक नोटक के माध्यम से पंजीक नया, प्रपुषण तथा जुवा इत्यादि जैसे बुलाईयों पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची का आज का विषय कृषि बनाम औद्योगिक विकास-देश के विकास में क्या अधिक सहायक है का जिसमें हमारे मुख्य वक्ता श्री योगपाल जी थे।


Principal
Multanial Moh College
Modimgar

स्वयंसेवकों ने अपनी-अपनी टोली की रिपोर्ट तैयार की तथा यह सुनिश्चित किया कि वे रिपोर्ट किसी स्वाम अधिकारी से सम्बन्ध रखी जाये जिससे कि राष्ट्रीय सेवा की समस्त का कुछ सम्बन्ध हो सके।

शिविर के अन्तिम तथा आखिरी दिन छात्र-छात्राओं ने सम्प्रदायिकों के सहयोग के लिये अपने अन्तर्गत देने हेतु राम का प्रमाण किया इससे साथ ही उन्हें आश्वासन भी दिया कि उनकी समस्याओं को शासन के समक्ष रखकर कुछ न कुछ सम्बन्ध निजगतने का अवसर प्रदान किया जायेगा। 1 बजे शिविर में पहुँचकर स्वयंसेवकों ने भोजन तैयार किया। दोपहर लगभग 3 बजे प्राचार्य सहोदय डॉ० आर्य जी जल सहज, विज्ञान अतिथि डॉ० मृगेश तानी उनके दो सहायक तथा राम के अन्य सम्बन्ध व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसने स्वयंसेवकों ने सरकारी कन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगरंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें सहोदय एवं सम्बन्ध से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ से सम्बन्धित समस्याओं को दर्शाते हुए आदिभ्य, सैतु, अमित इत्यादि ने गुरुसूत्र नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र-छात्राओं ने इस बात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निश्चित वे सभी स्वयंसेवकों को प्रयास से कुछ की गये एक सन्दूक एवं 50 रुपये की सरकारी महाविद्यालय के एन्ट्रान्स एन्ट्रान्स इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने आत दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल एक दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहाँ सिखा है उन आदर्शों को जीवनभरके निभाना है। अन्त में प्राचार्य सहोदय ने छात्रों के आत दिवसीय विशेष शिविर के सम्बन्ध की विधियात् घोषणा करते हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतावे जिससे कि उनमें भी समान की प्रति आसने करनेवाली उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली।

K.M.
Principal
Muhannaal Modi College
Modinagar

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2017-2018
सतत दिवसीय दिन-रात के विशेष क्विज के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाईयों के सतत दिवसीय (दिन-रात) क्विज का शुभारम्भ दिनांक 09.01.2018 को प्रातः 8 बजे राम भूषेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सत्यक मोहन जी की नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आरसी०लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ० पी० वी० गर्ग वी। क्विज के उद्घाटन के समय डॉ० विवेकशेखर, श्री बी०एम्०जी०एल, दैनिक समाचार पत्रों के सम्बन्धीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य सम्बन्धीय व्यक्ति मौजूद उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के परभाव सत्य सेवकों ने राम का सफल आयोजन किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। सत्य सेवकों ने छात्रों और अपने भ्राता एक अच्छा सम्बन्ध स्थापित करते हुए सामान्य जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिए विचार मंचन भी किया। उद्घाटन भोजन के परभाव बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मनोज जी ने सत्य सेवकों को 'गुरु गणेश विद्या जी की जयन्ति के अवसर पर उनकी विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की शुरुआत का विषय 'स्वतंत्रता हमारा जन्म विद्या अधिकार है' था। जिसमें स्वराज जैसे विषय को लेकर नई-नई परिभाषाएँ सामने आईं। इसने अतिरिक्त छात्रों एवं अतिथियों ने बहुत ही सहभागिता तरीके से अपने-आपको को रखा। सायं 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के परभाव सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर सतत बहादुर शास्त्री स्तूपन जिसमें कि क्विज का आयोजन किया गया था उस स्थान की सफाई-सफाई की। सायं 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ जल-पास के क्षेत्र में प्रयोग हेतु निकल गये। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक नृणाकुञ्ज विद्या क्विज स्थान पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुझा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने आभार स्वीकार की संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयों सम्बन्धित रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करेंगी तथा अगले दिन प्रातः योगसभान्त के परभाव सभी इकाईयों अपने-अपने कार्यक्रम में लगे जावेंगी। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी करके कर ही जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारियों की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके परभाव योग और जलपास तथा स्वयंसेवकों ने विभिन्न

टी0 मयंक मोहन से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा टी0 अमर सिंह कश्यप अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्मा विठौर में रहे।

शिविर के तीसरे दिन प्रायः स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन के नेतृत्व में घान की दीवारी पर हाथ से बने घेनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के निम्ने अवलंबक नदरे सिखें तथा मुद्रकल भाटक के माध्यम से नरक दरोह अशिक्षा अवादिश्वर इत्यादि सामाजिक दुर्दार्दियों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिविर के 44 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के माध्यम से पन्स पीसेको अभियान के अन्तर्गत बच्चों को दवाई पिलवाई। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बी0एल0ओ0 की ड्यूटी घासीन क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसमें उन्हें लोगों की बीटर जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करनी थी। हमारे स्वयंसेवकों ने बी0एल0ओ0 की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी बीटर जाई0 की जाई बन रहा है। जिसकी वजह से बनेको प्राणीय अपने-अपने बीटर जाई0 की जाई बनवाने में सफल रहे। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषी का आज का विषय शिक्षक एवं शिक्षार्थी था। जिसने हमारे अतिथी श्री अशोक त्यागी जी रहे। जिसने ने अपने औजरवी विद्यार्थी से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के परस्पर संबंधों को नये तरीके से परिभाषित करने शुरू उन्हें एक-दूसरे का पूरक बताया। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की साफ-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टी0जी के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। साथ 6 बजे के लगभग घाटी इकाई0 की स्वयंसेवक पुनः कुम्हारुज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन सार्विदालय की कृतीय इकाई0 ने भोजन बनाने का कार्यभार प्रान किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन जी मदद ली। आज भोजन के समय कुछ स्वयंसेवक निवृत्तों से ज्ञा गये तथा उन्होंने से स्वयंसेवकों के साथ ही भोजन किया पश्चात् उन्होंने कहा कि ये अगले दिन वर्षा का मौसम में गुठ और भारी स्वयंसेवकों के निम्ने भिजवावे। भोजन का का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् बीच बीटर लगाव तथा स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुती की। रात्रि दस बजे जराकों के दल के साथ श्री अमर सिंह जी से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन तथा टी0 योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्मा शिविर में रहे।

Kat
Principal
Mahanimal
Modi

कार्यक्रम अधिकारियों की तत्परता, स्थानीय लोगों का सहयोग तथा स्वयंसेवकों की समझदारी से कोई भी अड़ियल घटना घटित नहीं हुई।

शिविर के पांचवें दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीमाराम एवं श्री सुप्रेम जी के साथ योगाभ्यास किया। नाश्ते के पश्चात् 9 बजे सहकार्यो गे शिवे जी लोकोश कुम्भर जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के साथ स्वरा के आकार पर सुदृढ़नी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ घूम सीकरी गये तथा महा के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् धारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी घूम की विभिन्न दलित मोहलों में सामाजिक सुरितियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एनएचएचएच अधिकारियों ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। यहां उल्लेखनीय है कि दोपहर भोजन के प्रबंध के लिये धारा इकाईयों के 5-5 स्वयंसेवक शिविर स्थल पर ही रुके थे जिन्होंने पूर्ण सुरासता के साथ अपने कार्य को पूरा किया। बौद्धिक कार्य के अन्तर्गत सांघ 4 बजे श्री प्रभात शर्मा जी, स्पेशल हाइम ड्रांग अधिकारी, दिल्ली हमारे लक्ष्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव हमारे साथ साझा करते हुए स्वयंसेवकों को इस विषय के बारे में जानकारी दी कि यदि उन्हें पुलिस विभाग में सेवाएं देने की इच्छा है तो वे किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से उनके साथ वार्तालाप किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सचनों स उस क्षेत्र के तरीक शिक्षार्षियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांघ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की सफाई-सफाई की। सांघ 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टॉर्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांघ 6 बजे के आसपास स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की भ्रमण एवं दिशिप इकाईयों ने भोजन


Principal
Muhaimmal Modi College
Modinagar

दीर्घ खीर लगाया गया जिससे सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कुछ समय की लिये अपने-आपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समापन शिबिर के विषय में परिचर्चा की। लॉकेट दत्त बजे लड़कों के दल की रूप से मयक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के रूप में सीमाकाज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुझा शिबिर में रहे।

शिबिर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 8 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने प्रायश्चित्तियों के सहयोग के लिये उन्हें बन्धवार देने हेतु काम का समर्थन किया तथा दानील क्षेत्र की वरिष्ठ नागरिकों से अग्रह किया कि वे दोपहर 2 बजे शिबिर के समापन समारोह में आकर उनकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे सभी इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाबुज में लगे शिबिर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की सभी इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी विहसल में लगे गये वाली ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1:30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अरुण कुमार जी समक्ष समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिबिर के समापन समारोह में सहज योग से श्री लोकेत कुमार जी भी आये। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् डॉ० मयक मोहन, डॉ० सीमाकाज, डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सासेन्त जी ने अपने-अपने शिबिर की सात दिवसीय (दिन-रात) शिबिर की प्रशंसा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने समापन कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख के अतिरिक्त नाटक का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पंजर प्रतिवेगिता में निर्वाचक की भूमिका भी निभाई। सभी इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एनएस्कएस्क के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर परजान बन्धुजी ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। एनएस्कएस्क कार्यक्रम अन्तर्गत डॉ० मयक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई की। शिबिर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिबिर स्थल के एनएस्कएस्क का सामान व्यवस्था महाविद्यालय में पहुँचाया।

Vishal
Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

को समझाई थी वे उनका पालन करने में लगे रहें। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय नोटबन्दी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव था। जिसने हमारे अतिथी श्री सुमन सोमरी जी रहे। जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था पर नोटबन्दी के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही पक्षों को अच्छे से समझाया था। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिदिर स्थल की सफाई-समाई की। साथ 5 बजे स्वयंसेवक अपने-अपनी टोली के साथ आज-प्रातः के भोजन में अलग हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने चर्ची क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनका साथ स्थानीय बच्चे भी हुए गये जिससे कठिन स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिदिर के साथ धार्मिक भाई बन गया। साथ 6 बजे के लगभग वारी इकाई की स्वयंसेवक पुनः कुष्माकुल स्थित शिदिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रुचि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसने आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार चलाया जिससे उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गौतमजी जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् केन्द्र परिवार लगायत सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने अपनी प्रस्तुती की जिससे केन्द्र का वातावरण संगीतमय हो गया। अन्तिम दोन बजे तकको के हल के साथ डॉ० मदन भोजन रहे तथा स्वयंसेवकों के हल के साथ डॉ० गौतमजी जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कश्यप अपने-अपने हल के कुछ तकको के साथ कुष्माकुल शिदिर में लगे।

शिदिर के तीसरे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन भोजन के नेतृत्व प्राप्त की दीवारी पर हल से अने देनरी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक भारे लिये तथा नुकसन्द नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अन्वेषकता इत्यादि सामाजिक कुतर्कों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिदिर के 52 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के सन्धान से प्राप्त चोटियों अधिदान के अन्तर्गत बच्चों को दिखाई मिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बीएलसीओ की ड्यूटी दायीय क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसने उन्हें लोगों की चोटन जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करने की हमारे स्वयंसेवकों ने बीएलसीओ की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी चोटन जाई की कार्य बन रहा है। जिसकी वजह से अनेकों दायीय अपने-अपने चोटन जाई की कार्य बनवाने में सफल रहे। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने विभिन्न दायीय क्षेत्रों में जाकर जांच किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी दायीयों को दी। समाज सेवा संस्था के कार्यकर्ता श्री भानुप्रताप जी ने स्वयंसेवकों को एकत्र करके की प्रस्ताव की। उनका इन प्रयासों का दायीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। आज प्राथम्य महोदय ने शिदिर का जीवन निरीक्षण किया तथा शिदिर के अर्ध संचालन के लिये कार्यक्रम

Principal
Mahantmal Modi College
Modinagar

एक द्वितीय दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० सीमराज जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया स्वयंसेवकों आकाश्री का प्रयोग किया जिसमें लड़कियों की टोली नियुक्त की। दूसरे सत्र की योगेन्द्र जी ने सार्वजनिक भोजन के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूरे। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ ही मंचक भोजन हो तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

शिविर के छठे दिन छात्राओं ने प्रश्नावली के माध्यम से परीक्षा बोर्ड में जाकर सारी किया तथा वहां की समस्याओं को निबटारा से जाना तथा सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन के साथ अपने द्वारा किये गये कार्यों का अवलोकन किया तथा साथ ही धार्मिकों की सलाह से पुस्तकालय का भी कार्य किया। दोपहर 11 बजे मुख्य नाटक की माध्यम से विशेष विशेषी एवं नशाखोरी को संबोधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। राम प्रधान भी रंगत जी द्वारा वहां के स्थानीय संस्थानों की समस्याओं का निराकरण करने का अवलोकन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बड़-बड़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोधी का आज का विशेष कार्यक्रम उचित है अथवा अनुचित था। जिसमें स्थानीय धार्मिकों ने अपने-अपने विचार रखे। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की सफाई-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ डिभिन्स प्रकार की किताबों में व्यस्त हो गये। साथ 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की रोचक प्रारम्भ का भी जिसमें आज के दिन सहविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन तथा श्री योगेन्द्र जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कुछ समय के लिए अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी दृष्टांतों की स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समाप्त शिविर के विषय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ ही मंचक भोजन हो तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

Kal
Principal
Mithankot

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन को ताम मारना	28
3	बीएलओकी मदद से बोंदर आईडीकार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	पुशरोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	पुस्तकियों को सिलाई, एवं बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के अन्वय के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एवं आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रीतिरिवाज के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mintanmal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में संचालित 10से0यो0 की चतुर्थ इकाई सत्र 2018-19 के सात दिवसीय शिविर का पुनारम्भ दिनांक 01.02.2020 को प्रातः 9 बजे ग्राम कृष्णा कुंज पश्चिमी, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0 सी0 लाल, डॉ0 ए0 शर्मा, डॉ0 वी0 शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मयंक मोहन जी, थे। शिविर के उद्घाटन के समय श्री मन्जुश्री, तथा अन्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुजाता, डॉ. मनीषा बालियान, श्री सुरेन्द्र दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने घयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में विशाल, मनीष, दीपिका तथा अन्य स्वयं सेवकों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता, दहेज प्रथा गंगा सफाई सम्बन्धित कार्यों पर अपने व्याख्यान दिये। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर अपने शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे


Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 8 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुरक्षा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य महोदय को संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयां समवेत रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करें तथा अगले दिन प्रातः योगाभ्यास के पश्चात् सभी इकाईयां अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट जायें। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र जी अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।



कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 02.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के द्वितीय दिन की आख्या

शिविर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में योगा अभ्यास किये तथा लक्ष्य गीत गाकर दिन का शुभारंभ किया। स्वयंसेवक विभिन्न टोलियों में बटकर सर्वेक्षण के लिए दलित बस्ती में भ्रमण किया तथा स्वयंसेविकायें डॉ. मनीषा बालियान के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरितियों की ओर ग्रामीणों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुक्कड़ नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथि श्रीकान्त गौतम जी जो कि हमारे महाविद्यालय के सहायक अध्यापक हैं। उन्होंने मानव जीवन में पशु पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया


Principal
Muhmmal Modi College
Modinagar

जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा बालियान की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सुजाता जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये ।





KVC
Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 03.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के तृतीय दिन की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात् महाविद्यालय पहुंचे जहां पर, खून तथा दातों की जांच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आकर्षक नारे लिखे तथा नुककड़ नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अपिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अनित कुमार भारोतोलक चैंपियन ने अपने स्वास्थ्य को कैसे ठीक रखे पर अपने विचार दिये। अनित जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गीताजंली जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

K. M.
Principal
Mistankmal Modi College
Modinagar

साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० गीताजंली जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कथ्यप अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





Kul
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना

दिनांक: 04.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के चतुर्थ दिन की आख्या

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना एवं डॉ० सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीड़ा लगने की समस्या अधिक देखने को मिली जिसे देखकर हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविरमें आमंत्रित किया तथा ग्रामीणों की विभिन्न कृषि से संबंधित समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अक्षिा, अज्ञानता एवं रुढ़ियादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवी संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति नीलिमा जी ने छात्राओं के उक्त कार्य की प्रशंसा की तथा स्वयं काफी समय तक उन छात्राओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। सांय 2 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विशय था सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के हमारे अतिथि श्री लोकेश जी तथा श्रीमति नीतू थे। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को धारों इकाईयों ने

K.K.
Principal
Mubtani Mal Modi College
Modinagar

समवेत रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। वैशाली निगम जी ने समाज सेवा के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि हम समाज से कैसे जुड़ सकते हैं तथा उनके लिए क्या क्या कार्य कर सकते हैं। वैशाली निगम जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। आज का बौद्धिक कार्यक्रम समवेत रूप से कृष्णाकुंज शिविरस्थल पर ही बनाया गया था इसलिये आज सांय चार बजे कोई भी स्वयंसेवक भ्रमण के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले जिसमें छात्राओं द्वारा खो-खो तथा छात्रों द्वारा कबडडी तथा दौड का खेल उल्लेखनीय रहे। सांय 6 बजे स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की चतुर्थ इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Mulanimal Modi College
Modinagar



Kul
Principal
Mritanjali Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 05.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के पंचम दिवस की आख्या

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीमाराज एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाष्टे के पश्चात् 9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेष कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुंडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् चारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन०एस०एस० प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात् भगवान बुद्ध रक्त कोश के माध्यम से स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया। आज सभी स्वयंसेवक

Principal
Muhantmal Modi College
Modinagar

अपने-अपने व्यक्तिगत साधनों से उस क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांय 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉरर लगाया गया स्वयंसेवकों अताक्षरी का प्रोग्राम किया जिसमें लडकियों की टोली विजयी रही। इसी मध्य श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





V.S.M.
Principal
Maharaja Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 06.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के षष्ठम दिवस की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात महाविद्यालय में चल रहे एक दिवसीय विशेष युवा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का शीर्षक "आज का युवा भविष्य का भारत" खून तथा दातों की जाँच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कशक नारे लिखे तथा नुकवड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अप्रिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्रों के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय नौकरी बनाम व्यक्तिगत व्यवसाय था। जिसमें हमारे आज के अतिथि श्री रमाशंकर, व्यवसायी तथा श्री अश्वनी जी, नौकरीपेशा उपस्थित थे। अलग-अलग कार्यक्षेत्र से जुड़े दोनों ही व्यक्तियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र की कमियाँ


Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

और अच्छाईयां बताई तथा स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस परिचर्चा में यह बात सामने आयी कि सरकारी नौकरी में अवसरों की कमी है किन्तु यदि सही प्रकार से तैयारी की जाये तो प्राईवेट सेक्टर में आज भी युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग करके अपनी आजीविका कमा सकते हैं। तथा व्याय आवश्यक नहीं है कि बहुत बड़ी पूंजी के साथ ही प्रारम्भ किया जाये थोड़ी पूंजी से भी व्यापार प्रारम्भ करके व्यवसाय को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में अर्जुन अवाठी श्री अंकुर धामा उपास्थि थे जो पैराओलियामपिक में देश को गोल्ड दिलाया अंकुर जी मिलकर छात्र-छात्राओं ने मिलकर काफी उत्साहित हुए अंकुर जी ने खेल और दिव्यांग जागो के बारे में छात्र-छात्राओं के बीच अच्छी जानकारी दे साझा किये। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ विभिन्न प्रकार की क्रिडाओं में व्यस्त हो गये। सांय 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन तथा श्री योगेन्द्र की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कुछ समय के लिये अपने चारों कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने अगले दिन समापन शिविर के विशय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमारज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कथ्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Multinational Modi College
Modinagar



K.M.
Principal
Muktanmai Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.07.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

शिविर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 6 बजे तक व्यायाम एवं योगा किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने ग्रामवासियों के सहयोग के लिये उन्हें धन्यवाद देने हेतु ग्राम का भ्रमण किया तथा ग्रामीण क्षेत्र के बरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया कि वे दोपहर 2 बजे शिविर के समापन समारोह में आकर उसकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज में लगे शिविर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की चारों इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी रिहर्सल में लग गये बाकी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1.30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अनिल गोविंदा जी समापन समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विपिष्ठ अतिथी के अतिरिक्त शिविर के समापन समारोह में संस्कार भारती एकदमी के संस्थापक श्री प्रभात जी भी उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् प्राचार्य सम्मक्ष डॉ० मयंक मोहन, डॉ० सीमाराज, डॉ० गीताजंली, डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने-अपने


Principal
Multinational Medi College
Modinagar

शिविर की सात दिवसीय आख्या प्रस्तुत की। तत्पश्चात् चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें नृत्य के अतिरिक्त नाटकों का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। चारों इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एन0एस0एस0 के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर पत्रकार बन्धुओं ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवियों का उत्साह बढ़ाया। एन0एस0एस0 कार्यक्रम प्रमारी डॉ मयंक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली। शिविर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिविर स्थल से एन0एस0एस0 का सामान वापस महाविद्यालय पहुंचवाया।

Kul
Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जागरूकता देना।	198
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	28
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	वृक्षारोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एंव आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mahatma Modi College
Modinagar

Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana program

(October. 23-24, 2019)

(मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना)

The two days Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana organized on oct. 23-24, 2019 by all four units of NSS headed by Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Baliyan in MM College, under the guidance, support and motivation of Pricipal Prof Ram Chandra Lal. The aim of this program was to disseminate awareness Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana. The various cultural events were organized (~ 120 students participate) and the first, second and third winner was awarded with medal and certificate. The NCC officer Dr. Mukesh Kumar anRobers and Rangers officer Dr. Rohtash and Dr. Deepshika were also present. The events were examined by four judges- Dr. P.K. Garg, Dr. Vivek Sheel, Dr. Deepshikha and Dr. Arun Kumar Maurya.

The award ceremony was held on Nov. 01, 2019 in the college auditorium.



K. Lal
Principal
Maitramal Modi C
Modimgar



K.M.
Principals
Mritamayi Modi College
Modinagar



Multanil Modi College

Modinagar-201204 (U.P.)

(Affiliated to Ch. Charan Singh University, Meerut)
(A NAAC Accredited College)

Phone No. : 01232 - 243492
Fax No. : 01232 - 223620

Website: www.mmcmodinagar.ac.in
Email : info@mmcmodinagar.ac.in

NOTICE

Various competitions held on October 23- 24, 2019 in college campus for raising awareness for "Mukhayamantri Kanya Sumangala Yojana, UP".

Results are as follows:

Rangoli Competition		
Position	Group	Name of Participants/Students
Ist Position	Group 10	Shivani, Manish, Itisha, Prarav, Sonam and Aarzoo
IInd Position	Group 6	Shazia, Shivani, Reetu and Riya
IIIrd Position	Group 9	Chetan, Pooja, Priyanka, Deepika and Bhawna
Bandhanwar Competition		
Ist Position	Group I	
IInd Position	Group II	
Mehndi Competition:		
Ist Position	Ritu	
IInd Position	Riya	
IIIrd Position	Neha and Vani	

*Note: Award ceremony will be held on November 01, 2019 in the college auditorium.

[Signature]
Principal
Multanil Modi College
Modinagar

Poster Competition:

Ist Position	Shalu
IInd Position	Khalid and Anu
IIIrd Position	Swati ken

Yp. Bhasini
Convenor

Principal
Mufannanul Mawati College

Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana

(मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना)

The two days Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana organized on Feb. 26-27, 2020 by all four units of NSS headed by Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Baliyan in MM College under the able guidance, support and motivation of Principal Prof Ram Chandra Lal. The various cultural events like Rangoli, essay writing and speech were organized and ~80 students participated. The aim of this program was to disseminate awareness Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana. The NCC officer Dr. Mukesh Kumar anRobers and Rangers officer Dr. Rohtash and Dr. Deepshika were also present. The Dr. Ajai Sharma was the chief guest of the program and other respective member were Dr. Vandana Sharma coordinator of women cell, Dr. Prachi Agrwal head Sanskrit department and Dr. Poonam Chaudary.



R.C.L.
Principal
Mahantlal Modi College
Modinagar



Kul
Principals
Nishant/Mini
2015/16

NSS-Progress Report (August, 2019)

August 9, 2019

- In view to increase green cover one day camp was organized jointly by Unit 1 and 4 on August 9, 2019 for plantation in college campus. NSS students (~60 students) actively participated in this plantation drive. Saplings of trees like Pipal, Siris, Bargad, Jamun, Imli, Amlatas etc were planted in the field.



K. K. Modi
Principal
Mahatma Modi College
Modinagar



Khi
Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

International Ozone Day

16 September 2019

The one day NSS camp was organized by all four NSS unit (Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Mr. Surendra Kumar Mishra) in Multinimal Modi College in order to celebrate **International Ozone Day one 16 September 2019**, ~140 students were present in this program. The purpose of this program was to make awareness among students about International Ozone Day and it's important for living beings, regarding different lectures were given by Dr. Arun Kumar Maurya and Dr. A.S. Kashyap, on different dimension of International Ozone Day .



Two days environmental programme

September 18, 2019

The two days environmental programme was organized by all four NSS units (~240 students) of Multanmal Modi College Modinagar on Sep.18, 2019 to Sep.19, 2019 in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The title of programme is **NIRJAN SE SRIJAN KI OR** which means how we can contribute for our environment to recreate it original form so we can live in healthy environment and survive a happy life. The first day programme was started by welcome speech of Yogendra Prasad Saksena coordinator of NSS programme followed by the motivational lecture of delivered by Principal Sir. The special lecture on environment dedicated to conservation of tree and water was delivered by Dr. Krishan Kant Sharma who has recently awarded with Saraswati award 2019 by government Uttar Pradesh.



Principal
Multanmal Modi College
Modinagar



KK
Principal
Mahatma Modi College
Modinagar

Stop the use of single use plastics

September 28, 2019

One day camp was organized in Village Sikri in by all four NSS units (Mr Yogendra Saksena Dr. Manisha Baliya, Dr. Sujata, Mr Surendra Kumar Mishra) and – 180 students were participated to spread awareness for stop the use of single use plastic. The NSS Volunteers interacted villagers and make them understand the ill effects of plastic are and polythene. Volunteers encouraged the villagers to minimize use of polythene by distributing cloth bags.



Principal
Mukulmal Modi College
Moumagar

Dr. A. P. J. Abdul Kalam birth anniversary

15 October, 2019

The seminar was organized on the occasion of birth anniversary of Dr. A. P. J. Abdul Kalam by National Service Scheme (NSS) team running by NSS Officer Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Balyan of Multinimal Modi College Modinagar (~120 students) in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The Dr. Joyati Singh was chief guest of this program. Dr. A.P.J. Abdul Kalam was the 11th President of India (2002-2007). Being a politician, he was a scientist and a teacher. He played a crucial role in the Pokhran-II nuclear tests in 1998 and so, he earned the title 'Missile Man of India'. The United Nations had declared in 2010 as World Students' Day on 15 October. Dr. A.P.J. Abdul Kalam's role in teaching and his dedication can't be explained in words. He always identified himself as a teacher. Dr. Arun Kumar Maurya gave special talk on different dimension of Dr. A.P.J. Abdul Kalam's contribution for nation. Many speeches were also delivered by NSS volunteer on different topics. Dr. Deepshikha, Dr. Mamata Gupta, Dr. Prachi Agrawal, Dr. Poonam Chaudhari, Dr. Komal Gupta, Mr. Dinesh Kumar were also actively participated.



Principal
Multinimal Modi College
Modinagar



The constitution day 26 November 2019

The constitution day was celebrated by Department of Political Science NSS, NCC, Rovers & Rangers and IPR cell jointly in Multinimal Modi College Modinagar (~ 250 students were present) on 26/11/ 2019 in the supervision of our Principal Prof. Ram Chandra Lal. The invited lecture was delivered by Mr Satya Prakash (Assistant Professor, Economics, DSC (E), and DU) & Dr Vinod Kumar (Former Associate Professor, Pol.Sci) on this occasion. Mr. Satya Prakash talked about evolution and important of our constitution where as Dr Vinod Kumar gave a detail account about our fundamental duties and right. The other important event of this program were-

- Career Guidance and Interaction by Mr Satya Prakash
- Poem, Speeches, Drama etc. by NSS, NCC and other students
- Faculty and Students participated with full enthusiasm.



K. Lal
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar



Principal
Multanmal Modi College
Modinagar



[Signature]
Principal
Multanimal Modi College
Modinagar

Dr. Rajendra Prasad Jainti celebration

03 December, 2019

Dr. Rajendra Prasad Jainti was celebrated 03 December, 2019 by National Service Scheme (NSS) (Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra, and Dr. Manisha) and NCC team (Mr. Shrikant) of Multanilal Modi College Modinagar in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The students (~60 students) The motivational lecture delivered by Vice Principal Prof. A.K. Sharma, Dr. A. Nehra, Dr. Arun Kumar Maurya, Dr. A.S. Kashyap on different dimension of this the great personality and their contribution for nation. Many speeches were also delivered by NSS volunteer on different topics related to Dr. Rajendra Prasad. The vote of thanks represented by Dr. Sujata.



NSS Progress Report (2020-21)

26, November 2020

On November 26, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saxena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one day camp to celebrate Constitution Day in conference hall of college campus. Programme was inaugurated by Mrs. Komal Panwar, (Nayab Tesildaar) Chief Guest of the programme and Dr A.K. Sharma Principal Multanimal Modi College by lighting up Dia and offering flowering before the portrait of Dr. Bhim Rao Ambedkar, Dr. Rajendra Prasad and Sardar Vallabh Bhai Patel. After that Dr. Rohatash Tomar, Assistant Professor Department of Political Science explained the importance and efforts made in the formation of our great constitution. Aftermath various volunteers namely Prachi, Vishal, Aaditya, Pranav and many more gave speeches on this occasion. In the last our honorable chief guest Mrs. Komal Panwar addressed the gathering and told the students always remember not only their rights but also their duties toward their nation so that nation progress smoothly.



[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
Principal
Latanimal Modi College
Gurgaon, (G28)

राष्ट्र के प्रति कर्तव्य को निभाना ही संविधान दिवस मनाने का सही अर्थ : कोमल पंवार

कुलन्द मंडेरा ब्लू

अधिकारों को बंधा तो सब करते हैं लेकिन संविधान दिवस ने संविधान निर्माण की मेधाओं और उन सुविधाओं के प्रति हमें सचेत कर दिया है। संविधान दिवस का अर्थ है संविधान का प्रयोग करना। जिला विधिक विद्यालयों एवं स्वयंसेवकों को जागरूक किया।

मेहीनरा (अमरावत खान)। मुम्बई में एक बड़े संविधान दिवस की राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैम्प को एवं रोबोट रैलियों के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नवम सहस्रीनरा कोमल पंवार तथा कालिका के प्रचारार्थ डॉ अरुण शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से धारा 14 तथा संविधान निर्माण धारा 14 का सार्वभौम अधिकार भीमराव अंबेडकर के दिवस के समकालीन प्रकटीकरण तथा मंचारोपण का किया गया। राष्ट्र कालिका को निभाना ही संविधान दिवस मनाने सही अर्थ है। राजस्थान विधान सभ के अध्यक्ष जे.पी. अरोड़ा के नेतृत्व में एक विधायक डॉ. जयदेव शर्मा एवं रोबोट प्रदर्शनी को



इस दौरान कालिका के प्रचारार्थ डॉ. अरुण शर्मा, प्रचार एवं विज्ञान राज्य ने भारतीय संविधान का अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में प्रचारार्थ डॉ अरुण शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि कोमल पंवार को एक सार्वभौम की प्रतियां प्रेषित सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक योगेश प्रसाद सहस्रीनरा, राष्ट्रीय कैम्प को के डॉ मुकेश कुमार, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ सुशीला पाठक, डॉ सुबोध, डॉ मंगल तारावत के अलावा स्वयंसेवक कैम्प और अन्य विद्यार्थी मौजूद थे।

Kol
Principal
Madi College
Jaipur (G2B)

105

NSS Progress Report (2020-21)

The no of students participated in speech

Sr. No.	Name of Students	Class
	Vishal Rajpoot	M.A. II
	Prachi Vasth	B.A. III
	Pranav Kumar	B.C.A II
	Prashant Tomar	B.Sc. III
	Manish Kumar	B.Sc. II
	Pooja	B.Sc. II
	Anju	B.Sc. III
	Pranod	B.Sc. III


Kare
Principal
T. N. Modi College
Bhopal (M.P.)

December 25, 2020

On December 25, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp to celebrate Birth anniversary of Atal Bihari Vajpayee as "Good governess day" in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the program. Dr. Rohatash Tomar, Assistant Professor Department of Political Science, explained the importance contribution of him for country. The many NSS volunteers namely Prachi, Vishal, Aaditya, Pranav and many more gave speeches on this occasion.



Sr. No.	Name of Students	Class
1	Vishal Rajpoot	M.A. II
2	Prachi Vasth	B.A. III
3	Pranav Kumar	B.C.A II
4	Prashant Tomar	B.Sc. III
5	Manish Kumar	B.Sc. II
6	Pooja	B.Sc. II
7	Anju	B.Sc. III
8	Pramod	B.Sc. III
9	Sakshi	M.Sc. I
10	Varsha Chaudhary	M.Sc. I
11	Aditya	B.Sc. II
12	Arti	B.Sc. II
13	Vani	B.Sc. II
14	Harsh	B.A. II
15	Anchal	B.A. III

[Handwritten mark]

Kare
Principal
Ansh College
Bhopal (M.P.)

Neta Subhash Chandra Bose Birth Anniversary as "PrakramDiwas"

January 23, 2020

On 23 January 2020, all NSS units (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp to celebrate Neta Subhash Chandra Bose Birth Anniversary as "Prakram Diwas" day in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the program. Dr. ASK Assistant Professor Department of Botany, explained the importance contribution of him for country. The many NSS volunteers namely Manish Prachi, Pranav and many more gave speeches on this occasion.

नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है: डॉ. अजय शर्मा



नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है।

नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है।



Sr. No.	Name of Students	Class
	Vishal Rajpoot	M.A. II
	Prachi Vasth	B.A. III
	Pranav Kumar	B.C.A II
	Prashant Tomar	B.Sc. III
	Manish Kumar	B.Sc. II
	Pooja	B.Sc. II

Handwritten mark

Principal
Modi College
Gurgaon (GZB)

MatdataJagruktaDiwas

January 25, 2020

On January 25, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp on MatdataJagruktaDiwas in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the programme. The aim of program, was spread awareness regarding to the matdan and to understand the importance of it. Dr. A.K. Maurya Assistant Professor Department of Botany, explained the importance contribution of him for country. The poster competition was organized on this occasion. The ShriYogendraPrsada Saksena In-charge NSS gave the vote of thanks.



KM
Principal
Modi College
Bhopal (GTR)

**Poster Presentation on
Maddata Jagrupa 25, January
2021**

No. No.	Name of Participant	Father's Name	Code	Class	Internal Marking	A	B	C	Total marks
1	Ananya Sharma	Lokan Sharma	D	M.A 1 year	10	4	0	6	22
2	Shweta Tripathi	Baharantomar	AE	Bsc 2nd year		7	5	7	
3	Dhruvish Tiagi	Sanjay Kumar Tiagi	AD	Bsc 2nd year		4	5	7	
4	DEBGIISHI	ASHOK KUMAR	AN	M.A.		0	4	0	
7	Jyoti Khatwarp	Mahesh Kumar	O	BA 1st year		7	5	7	
8	Khadim	Rajeev	AK	M.A 1st year		0	7	0	22
9	Musavi	Kapil Kumar	Z	Bsc 2nd year		0	0	0	
12	MUJIBURRAHMAN SAIFI	MADNI UDDIN SAIFI	W	BSC II COM		0	4	0	
14	Nazim	Shamshad	K	BA 1st year		0	1	7	
15	Pooja Rathi	Hareesh Rathi	AGI	Bsc 1st year		7	5	7	
18	Pooja Vata	Parikumar Sharma	J	BSC 1 year		7	5	7	
19	Pravesh Kumar	Mr. Ravi Sivan	B	B.Sc. III		8	5	8	
20	Pris	Mr. Chandra pal singh	AH	BA (1st year)		0	4	7	
21	Pratik	Dinesh Kumar	AP	B.Sc 2nd year		0	7	0	
22	Romant	Mr. Chandra pal singh	AI	BA (1st year)		0	4	7	
24	Ravi	Mr. Chandra shekhar	A	M.A. 1st year	1	8	10	8	26
26	Tanishkang	Ashok singh	T	Ba		0	7	0	
27	Vaishali	Vinod Kumar	L	M.A 1st year		7	5	7	
28	Harsh	Vijay	H	B.A 1st Year		7	0	7	
29	Ankit		AG	BA II Year		0	4	7	
30	Rishabh Prasad	Manoj Singh	AR	BA II Year		8	5	8	
31	Swati	...	AN	M.A I Year		0	7	0	
32	Rama		AT	M.A II Year		7	8	7	22
33	Pranav	Dinesh	AG	BA I Year		5	7	0	
34	Jyoti	Rajendra Singh	AV	M.A I Year		0	7	0	
35	Neha	Jeet Des	AW	M.A I Year		0	7	0	
36	Rishabh	Anil Kumar	AX	M.A I Year		7	4	8	
37	Chirya	Pravod	AY	M.A II Year		0	4	7	
38	Khadim	Ali Akbar Khan	AZ	M.A II Year		0	4	0	
40	Makand Sharma	Sanjay Kumar Sharma	AF	B.Sc 2nd year		5	0		
41	Taru	Ajay Singh	AH	M.Sc Microbiology		5	8		
42	Pravesh Kumar Singh	Hari Singh	G	M.Sc (1st year)	10	7	8	7	22

Kant

2

बीच घामीणों को स्वाधत्ता के विषय में भी अवगत कराया गया। रॉयलर भुगी वैनचंद की टोली को भोजन की व्यवस्था देखनी थी जिसे उन्होंने अवस्था कुशलता के साथ निभाया। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अतिथी श्री किशन जी से उन्होंने सामाजिक जीवन की संरचना एवं सामुहिक परिवार के महत्व पर प्रकाश डाला। आज छात्र-छात्राओं के बीच कम ऊर्जा में **भोजन बनाने की प्रतिस्पर्धा** का आयोजन हुआ जिसमें उनकी साथ-साथ शिक्षक भी उपस्थित अन्य लोगों ने भी बढ़-बढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतिस्पर्धा में सभी लानीबाई टोली ने विशेष प्रयत्न से भोजन तैयार कर या संदेश दिया किया कि ऊर्जा की बचत किता प्रकृति की जा सकती है। रात्रि में भोजन के पश्चात् किशोर्कों ने कॅम्प फील्ड के समय गांव के लोगों के साथ बातचीत की तथा उनके स्थानीय घामीण परिवेश के विषय में निकट से जानकारी हासिल की। कुछ स्थानीय घामीणों ने यहां के लोकगीतों को रात्रि के माध्यम से सुनाया जिससे सभी स्वयंसेवकों को प्रभावित हुए तथा अपने ही कुछ में इस विधा को सीखने का भी प्रयास किया। उसके पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने आज दिन की कार्यवाही को पूरा किया तथा दिन भर के अपने अनुभवों का बीसा उत कापरी पर उतारा।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः किशोर्कों को निष्पत्तक योग के समय कार्यक्रम अधिकारी **श्री मयंक मोहन** ने राठ राठ योग के साथ गीत के पश्चात् स्वयंसेवकों को आत्मदर्शन करने का उपाय बताया जिसमें उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शिविर स्थल पर बैठ-बैठ ही घाम सीकरी धुमने का अनुभव कराया। आज सभी स्वयंसेवकों ने घाम की टिपरी पर सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आवश्यक बने लिये तथा मुकन्द नाटक के माध्यम से महा, बंधन, अविद्या, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक दुसईधों को और लोगों को ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं ने घामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर स्वाधत्ता एवं छात्र-छात्राई का महत्व बताया। यहां के घामीण क्षेत्र में बहुधा एक समस्या देखने को मिली है कि यहां लोगों के पास वाहनवाहक नहीं है। आज रांगोली प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरस्वती टोली ने प्रथम, लानीबाई टोली ने द्वितीय तथा सीलीबाई टोली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आज इसी दौरान कुछ एम्पायरस के पुराने स्वयंसेवकों भी शिविर स्थल पर पहुंच गये तथा उन्होंने अपने पहले अनुभव बताते हुए नवे स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषी का आज का विषय महिला बरिधियों में सरकारी योजनाओं की **साधकता** था। जिसमें हमारे अतिथी श्री ब्रजभूषणजी, समाजसेवी ने अपने विचारों प्रकट किया। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज भी घामीण क्षेत्रों में कुछ तो जागरूकता की कमी है और कुछ सरकारी योजना भी अपेक्षापूर्ण है जिसकी परिणाम स्वरूप सरकारी योजनाओं को आम घामीण को उचित रूप से नहीं मिल पा रहा है। आज कॅम्प फील्ड के समय गीत-संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने पूरे मनोयोग से भाग लिया तथा स्वयंसेवकों की प्रस्तुती की तथा आपस में मनोरंजन के लिये माध्यम की भी प्रोद्योग किया इसके अतिरिक्त कुछ समाजवादी पर मुकन्द नाटक

Principal
Multanul Modi College
Madinagar

से तैयार किये गये जिन्हा प्रदर्शन रात्री की सौपाल में करना एव किया गया जिससे कि छात्रीय समाज की पुस्तक दिखारवाया में कुछ परिवर्तन करने उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र -छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोटिव तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योग कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलसहार करेंगे। इसके परवात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न छात्रीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी छात्रीयों को दी यहा यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक छात्रीयों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु छात्रीयों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढ़ा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनकी काम आयीगा। इनके अविरचित छात्राओं ने छात्रीय महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अधिका, अज्ञानता एवं रुढ़िवादिता के कारण उनको बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब छात्रीय के बीच पहुँच कर उनसे बात करते थे तो अनेक छात्रीयों ने उनसे सरकारी अधिकारी समझ लिया तथा उनसे बचने का प्रयास किया उस स्थिति में हमारे स्वयंसेवकों ने उन्हें रात में ही के विषय में बताया तथा उनका धम दूर करते हुए उनकी मदद का प्रयास किया। उनके इन प्रयासों का छात्रीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची में आज स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी फलक तथा श्री भूषण जी आये उन्होंने उक्त विषय पर एक प्रस्तावसदरी व्याख्याम दिया तथा बताया कि हर घर में सौभाग्य की व्यवस्था के लिये सरकार घुँरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उन्होंने इनके साथ ही स्वयंसेवकों का आहवान इस मिशन से जुड़ने के लिये किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका छात्र एवं अध्यापक श्री योगेश तिवारी की रही। आज दोपहर के समय प्राचार्य महोदय ने शिविर का औपचारिक निरीक्षण किया साथ में श्री हरीश कुमार भी थे। प्राचार्य महोदय ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पूरे शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वयंसेवकों को सुझाव देते हुए उनको कार्य की प्रशंसा की। यदि वे शिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके अंतर्गत कव्वाली प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। जिसमें मधना, शुभांगी, मिथिल, मोहित, प्रताना नेहा ने अग्रण प्रदर्शन किया।

शिविर के पाँचवें दिन छात्र -छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूषण जी ने सहज योग की विधि बताया थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काफी संख्या में छात्रीय लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके परवात् स्वयंसेवकों ने छात्रीयों को सरकार द्वारा उनको लिये बताया जो रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरूकता को प्रकट करने के लिये एक सामुहिक अभियान बताया जिसमें मुखक नोटक के माध्यम से परीज, नया, प्रपुषण तथा जुजा इत्यादि जैसे दुर्दैयों पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची का आज का विषय कृषि बनाम औद्योगिक विकास-देश के विकास में क्या अधिक सहायक है का जिसमें हमारे मुख्य वक्ता श्री योगपाल जी थे।


Principal
Multanial Moh College
Modimgar

4

इस मांछी में दानिस, किशनपाल, सायना, रौनु, गुजन ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया तथा कृषि को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी बताया। आज सामान्य ज्ञान प्रतिस्पर्धिता भी आयोजित हुयी जिसमें स्वयंसेवकों ने प्रस्तावपूर्ण तरीके से प्रतिभाग किया इस प्रतिस्पर्धिता में विशाल, ज्योति, कामना, आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन सर्वाधिक पुस्तकालय विद्याल ने जीते। आज लायंस क्लब के माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों ने रक्तदान शिविर लगाकर 36 युनिट रक्त दान दिया। रक्त दान प्राप्त करने के लिये लायंस क्लब की टीम साथ 3 बजे शिविर स्थल पर पहुंची तथा जिसमें डॉ० रोमर ने रक्तदान के विषय में स्वयंसेवकों को मग में उपस्थित कर जोर दिया तथा रक्त दान के लिये प्रेरित किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक सोहन ने रक्तदान के विषय अपना पंजीकरण कराया इसमें परसरा 35 और स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिये पंजीकरण कराया अपना रक्त दान दिया। इस सब विधि में शाम को 6 बजे राते। तत्पश्चात् सभी लोगों ने खोटी देर आराम कर शाम को भोजन का प्रबन्ध किया तथा 8 बजे तक भोजन कर डीम्प फीवर का आयोजन किया, जिसमें छात्रीय लोगों ने स्वयंसेवकों के साथ पुरानी कलाकारों पर चर्चा की तथा वे छात्रीय कलाकारों आज को समय में कितनी सही है इस पर चर्चा की।

शिविर के छठे दिन प्रातः सात्र ने स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० छवि लवानी, सह-सचिव डॉ० की० एन० सोदी कोडिन्डेशन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सरकार के द्वारा करायी जाने वाली अनेक योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् डॉ० छवि लवानी ने हमारे महाविद्यालय में दो दिन अपनी हैल्थ डेस्क लगाने का वादा किया जिसमें हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी यदि कहीं भी बिल्कुल निशुल्क रोजमर्रापत्रक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। दोपहर भोजन के पश्चात् शैक्षिक क्षेत्र के अन्तर्गत सहज योग से संबंधित कार्यक्रम हुआ जिसमें साजरा योग की स्टेट इनस्ट्रक्टर, डॉ० भूपेन्द्र लवानी, मेरठ सेंटर की कोडिन्डेटर श्री जयवीर सिंह जी, सोदीनगर सेंटर की कोडिन्डेटर श्री रीतेश राय जी तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ० जयका शी० लाल साहब के अतिरिक्त लगभग सोदीनगर एवं मेरठ क्षेत्र के अन्य परामर्श व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। राधा की समय में ही प्रतिस्पर्धिता का आयोजन हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बह-चक्रर शिन्धा लिया इसमें सजना, मुन्दी, कामना ने प्रतिभाग किया तथा अपनी मेहनती कला का प्रदर्शन किया। आज सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत झर-झांझती ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लडि ने भोजन के पश्चात् शिवालयी ने डीम्प फीवर के समय अपने हास किया गये पूर्व जायी की समीक्षा की तथा अगिल दिन को प्रस्तुत किये जाने वाले संग्राम समारोह में किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारी की। इसके अन्तर्गत मुख्यक साठक, नृत्य, गायन तथा रागाती की विशेष तैयारी की गई इसके अतिरिक्त इस बात पर भी विशेषण हुआ कि इन छः दिनों में छात्रीय समस्यारों का विभाजन किया जाना अब संभव लगभग हो सकता है। इसके लिये

Principal
Mulanmal Modi College
Mud Nagar

स्वयंसेवकों ने अपनी-अपनी टोली की रिपोर्ट तैयार की तथा यह सुनिश्चित किया कि वे रिपोर्ट किसी स्वाम अधिकारी से सम्बन्ध रखी जाये जिससे कि राष्ट्रीय सेवा की समस्त का कुछ सम्बन्ध हो सके।

शिविर के अन्तिम तथा आखिरी दिन छात्र-छात्राओं ने सम्प्रदायिकों के सहयोग के लिये अपने अन्तर्गत देने हेतु राम का प्रमाण किया इससे साथ ही उन्हें आश्वासन भी दिया कि उनकी समस्याओं को शासन के समक्ष रखकर कुछ न कुछ सम्बन्ध निश्चित करने का अवसर प्रदान किया जायेगा। 1 बजे शिविर में पहुँचकर स्वयंसेवकों ने भोजन तैयार किया। दोपहर लगभग 3 बजे प्राचार्य सहोदय डॉ० आर्य जी जल सहज, विज्ञान अतिथि डॉ० मृगेश तानी उनके दो सहायक तथा राम के अन्य सम्बन्ध व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसने स्वयंसेवकों ने सरकारी कन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगरंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें सहज प्रथा एवं समाज में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ से संबंधित समस्याओं को दर्शाते हुए आदिश, रीतु, अमित इत्यादि ने गुरूकुल नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र-छात्राओं ने इस बात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निश्चित वे सभी स्वयंसेवकों को प्रयास से कुछ की गये एक सन्दूक एवं 50 रुपये की सरकारी महाविद्यालय के एन्ट्रान्स एन्ड इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने आत दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल एक दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहाँ सिखा है उन आदर्शों को जीवनभरके निभाया है। अन्त में प्राचार्य सहोदय ने छात्रों के आत दिवसीय विशेष शिविर के सम्बन्ध की विधियाँ गोपना करने हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतावे जिससे कि उनमें भी समाज के प्रति अपने कर्तव्यों उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली।

K.M.
Principal
Muhannaal Modi College
Modinagar

शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	29
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	38
3	ग्रोइ शिक्षा प्रदान करना	23
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	56
5	वृक्षारोपण करना	72
6	सामाजिक कुरीतियों का विरोध करना	11
7	दुर्घटियों को सिलाई, एच बुनाई सिखाना	19
8	समाज के प्रति निष्कल युवा वर्ग के यशस्वी के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	24
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	36
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एच आस -पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	54
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर शैलियों के माध्यम से जानकारी देना	9
12	रक्तदान किया	36

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ० मयंक मोहन

Principal
Mahantlal Modi College
Modinagar

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2017-2018
सतत दिवसीय दिन-रात के विशेष क्विज के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाईयों के सतत दिवसीय (दिन-रात) क्विज का शुभारम्भ दिनांक 09.01.2018 को प्रातः 8 बजे राम भूषेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सत्यक मोहन जी की नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आरसी०लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ० पी० वी० गर्ग वी। क्विज के उद्घाटन के समय डॉ० विवेकशेखर, श्री बी०एम०जी०, दैनिक समाचार पत्रों के सम्बन्धीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य सम्बन्धीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों ने राम का भजन अर्पण किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने प्रश्नोत्तरी और अपने-अपने भेदा एक अच्छा सम्बन्ध स्थापित करते हुए सामान्य जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिए विचार-मंचन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मनोज जी ने स्वयं सेवकों को 'गुरु गोविन्द सिंह जी की जयन्ति के अवसर पर उनकी विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की शैली का विषय 'स्वातंत्र्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है' था। जिसमें स्वराज जैसे विषय को लेकर नई-नई परिभाषाएँ सामने आईं। इसमें अतिरिक्त प्रश्नों एवं अतिथियों ने बहुत ही सहभागिता तरीके से अपनी-अपनी राय रखी। सायं 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर सतत बहादुर शायरी स्तूतन जिसमें कि क्विज का आयोजन किया गया था उस स्थान की स्तक-सफाई की। सायं 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ जल-पात्र के लेजे में प्रयोग हेतु निकल गये। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक नृणाकुञ्ज स्थित क्विज स्थान पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुझा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने आचार्य सहाय्य की संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयों सम्मिलित रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करेंगी तथा अगले दिन प्रातः योगसभान्त के पश्चात् सभी इकाईयों अपने-अपने कार्यक्रम में लौट जावेंगी। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी करके कर ही जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारियों की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् योग और जपया गया तथा स्वयंसेवकों ने विभिन्न



कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। यानि दस बजे लडको के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी शर्मा तथा लडकियों के दल के साथ श्री सीमरजन जी शर्मा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मधुक मोहन के नेतृत्व में राम भूदेन्द्रपुरी की महिला क्षेत्रों में सफाई अभियान कराया तथा बच्चों को साथ-साथ बच्चे हुए धानीया को स्वच्छता के लक्षों से अवगत कराया इसके साथ ही पूर्ण सत्र 2016-17 में किये गये अपने दल किये गये कार्यों की समीक्षा भी की। यहां यह देखकर आश्चर्य लगा जिन क्षेत्रों में सत्र 2016-17 में हमारे स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान कराया था तथा लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया था वह इस वर्ष काफी सफा-सफाई देखने को मिली। यहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि पूर्ण सत्र 2016-17 में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने जो भी बात राष्ट्रीय स्तरियों को सफाई की वे उनका जीवन बचाने में सक्षम रही।

बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अधिष्ठी श्री योगेन्द्र शर्मा जी ने उन्होंने विद्यार्थियों के लिये सामान्य ज्ञान के महत्व को बताते हुए उन्हें अपने व्यक्तिगत विकास को निरन्तर समृद्ध करने के लिये प्रेरित किया। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं के बीच सद-विचार प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ जिसमें उनके साथ-साथ शिक्षित अन्य लोगों ने भी बड़ा-बड़ाकर विस्मय किया। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिक्षित स्वतः की सफा-सफाई की। साथ 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आज-पस के क्षेत्रों में प्रस्थान हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं डिप्लेट खोलकर अपना स्नानकरण किया इस वकाल में उनके साथ स्वामीय बसों भी आए गये जिसके कारण स्वामीय विद्यार्थियों के साथ हमने शिक्षित के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। साथ 8 बजे की लगभग घंटे इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कुम्हारपुर स्थित शिक्षित स्वतः पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने यानि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की विद्यार्थी इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सीमरजन जी सहित की। भोजन का कार्य समाप्त यानि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फील्ड लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्वामीय लोगों ने सफाई प्रस्तुती की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। यानि दस बजे लडको के दल के साथ

Principal
Multinational Model
Modinagar

टी0 मयंक मोहन से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा टी0 अमर सिंह कश्यप अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा विठौर में रहे।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन के नेतृत्व में घण्टी की दीवारी पर हाथ से बने घण्टी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक नदरे लिये तथा मुद्रकल भाटक के माध्यम से नरक दरोह अथिवा अविश्वस्य इत्यादि सामाजिक दुर्दायों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिविर के 44 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के माध्यम से पन्स पीसेको अभियान के अन्तर्गत बच्चों को दवाई पिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बी0एल0ओ0 की ड्यूटी घण्टीय क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसमें उन्हें लोगों की बीटर जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करनी थी। हमारे स्वयंसेवकों ने बी0एल0ओ0 की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी बीटर जाई0 की जाई बन रहा है। जिसकी वजह से बनेको प्राणीय अपने-अपने बीटर जाई0 की जाई बनवाने में सफल रहे। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषी का आज का विषय शिक्षक एवं शिक्षार्थी था। जिसने हमारे अतिथी श्री अशोक त्यागी जी रहे। जिसने ने अपने औजरवी विद्यार्थी से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के परस्पर संबंधों को नये तरीके से परिभाषित करने हेतु उन्हें एक-दूसरे का पूरक बताया। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टी0जी के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। साथ 6 बजे के लगभग घण्टी इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कुम्हारुज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने सत्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन सार्विदालय की कृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसने उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन जी मदद लीं आज भोजन के समय कुछ स्वयंसेवक निवृत्तों से ज्ञात गये तथा उन्होंने से स्वयंसेवकों के साथ ही भोजन किया पश्चात् उन्होंने ज्ञात कि वे अगले दिन वर्षाण मास में गुठ और पाटा स्वयंसेवकों के लिये भिजवावेगे। भोजन का का कार्य लगभग सत्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् जीय बीटर लगात 11वा स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुती की। सत्रि 10 बजे जयकों के दल के साथ श्री अमर सिंह जी से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन तथा टी0 योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा शिविर में रहे।

Kal
Principal
Mahanimal
Modi

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के नेतृत्व में विभिन्न राष्ट्रीय क्षेत्रों में पुष्पारोपण किया तथा कृषि ज्ञान से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी राष्ट्रीयों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में जीवा जलने की समस्या पहले से कम देखने को मिली। लेकिन हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग की अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविर में आमंत्रित किया तथा राष्ट्रीयों की कृषि से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इनकी अतिरिक्त छात्राओं ने राष्ट्रीय महिलाओं एवं बच्चों की इन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अशिक्षा, अज्ञानता एवं संवेदायिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवा संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति मालिनी जी ने छात्राओं के उत्साह कार्य की प्रशंसा की तथा स्वयं अपनी राय देकर इन छात्राओं के साथ राष्ट्रीय क्षेत्रों का समर्थन किया। उनके इन प्रयासों का राष्ट्रीयों द्वारा सुने प्रत्येक से स्वागत किया गया। आज प्राचार्य महोदय ने शिविर का औपचारिक निरीक्षण किया तथा शिविर को अच्छे संभालने के लिये कार्यक्रम अधिकारी को सलाह देते हुए स्वयंसेवकों की उनके अच्छे कार्य के लिये प्रशंसा की। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय था सहज योग आज का महायोग जिसने आज के हमारे अस्तित्व को लोकेत की तथा शैमिती नीतु में। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को चारों दुर्गाओं ने समर्थन रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। श्री लोकेश जी सहज योग के अन्तर्गत शरीर में सात चक्रों की व्याख्या की तथा इसे विज्ञान से जोड़ते हुए इसकी महत्व पर प्रकाश डाला। चूंकि आज का बौद्धिक कार्यक्रम समर्थन रूप से कृष्णचक्र शिविर स्थल पर ही बनाया गया था इसलिए आज सांभार चक्र को चारों राष्ट्रीयों के समर्थन के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेलें जिसने छात्राओं द्वारा खी-खी तथा छत्रों द्वारा कबड्डी तथा दीप का खेल उत्तेजनीय रहे। साथ 8 बजे स्वयंसेवकों ने शनि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रमुख दुर्गा ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसने उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेश जी की मदद ली। भोजन का का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैंप फील्ड लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न विषयों में समु मर्दिवालों का प्रदर्शन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन जी तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० श्रीमशय जी की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह करण तथा डॉ० योगेश अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ चुल्हा शिविर में सोये। आज रात्रि कुछ असाधारण तौरों ने कुछ लडकों मचने की कोशिश की लेकिन चारों

कार्यक्रम अधिकारियों की तत्परता, स्थानीय लोगों का सहयोग तथा स्वयंसेवकों की समझदारी से कोई भी अड़ियल घटना घटित नहीं हुई।

शिविर के पांचवें दिन प्रातः 9 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ अद्ययम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीताराम एवं श्री सुप्रेम जी के साथ योगाभ्यास किया। नाश्ते के पश्चात् 9 बजे सहजयोग की शिपे श्री लीकेश कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के साथ स्वरा के आकार पर कुशलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ राम सीकरी गये तथा महा के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् धारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी घाम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एनएचएचएच अधिकारियों ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। यहां उल्लेखनीय है कि दोपहर भोजन के प्रबंध के लिये धारा इकाईयों के 5-5 स्वयंसेवक शिविर स्थल पर ही रुके थे जिन्होंने पूर्ण सुरासता के साथ अपने कार्य को पूरा किया। बौद्धिक कार्य के अन्तर्गत सांघ 4 बजे श्री प्रभात शर्मा जी, स्पेशल हाइम ड्रांग अधिकारी, दिल्ली हमारे लक्ष्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव हमारे साथ साझा करते हुए स्वयंसेवकों को इस विषय के बारे में जानकारी दी कि यदि उन्हें पुलिस विभाग में सेवाएं देने की इच्छा है तो वे किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से उनके साथ बातचीत किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सचनों स उस क्षेत्र के तरीके विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांघ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की जाप-जासूदी की। सांघ 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोर्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांघ 6 बजे के आसपास स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की भ्रमण एवं दिशिप इकाईयों ने भोजन


Principal
Muhimil Modi College
Modinagar

12

जाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० बीमाहाज जी मदर जी। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प चौदर लगाया गया स्वयंसेवकों अंतर्गामी का प्रोग्राम किया जिसमें लड़कियों की टोली बिलवी रही। इन्हीं साथ श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि 11 बजे लड़कों के दल की साथ श्री मयंक मोहन खे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० बीमाहाज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुस्वा शिविर में रहे।

शिविर के छठे दिन सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के साथ ग्राम भूरेन्द्रपुरी में अपने द्वारा किये गये कार्य का आलोचना किया तथा साथ ही ग्रामीणों की सहायता से वृक्षारोपण का भी कार्य किया। रात 8 बजे जो वृक्षारोपण स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था ग्रामीणों की अच्छी देख-रेख के कारण वे काफी विकसित हो चुके थे। दोपहर 11 बजे मुख्यतः कटक के माध्यम से दहीज दिनेशी, लडका, लडकी में भेटभाव, जुआखोरी एवं नगाखोरी से संबंधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। ग्राम प्रधान श्री रमेश जी द्वारा वहाँ के ग्रामीण विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बड़-बड़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोभा का आज का विषय रक्त दान, महादान था। जिसमें पोस्टर कल्प की सहाय्य अपनी कम लेकर आये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्त दान करने से होने वाली बाधाओं को स्वयंसेवकों की मन से दूर किया तथा उसकी सामाजिक तर्कों से अवगत कराया। उनसे प्रेरणा पाकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन सहित 37 स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया जिसके उपरान्त पोस्टर कल्प वाली ने उन सभी स्वयंसेवकों की प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जिसके माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर वे एक यूनिट रक्त कमी की उस संख्या से ले सकते हैं। रात 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा परतों आज-प्रात के सेजों की साफ-सफाई की। रात 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ विभिन्न प्रकार की किताबों में व्यस्त हो गये। रात 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की वेजिटी प्रालम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की पूर्ण एवं चतुर्थी इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन तथा श्री योगेन्द्र जी मदर जी। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्

दीर्घ खीर लगाया गया जिससे सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कुछ समय की लिये अपने-आपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समापन शिबिर के विषय में परिचर्चा की। लॉकेट दत्त बजे लड़कों के दल की रूप से मयक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के रूप में सीमाकाज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुझा शिबिर में रहे।

शिबिर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 8 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने प्रायश्चित्तियों के सहयोग के लिये उन्हें बन्धवार देने हेतु काम का समर्थन किया तथा धार्मिक क्षेत्र की वरिष्ठ नागरिकों से अप्रार्थ किया कि वे दोपहर 2 बजे शिबिर के समापन समारोह में आकर उनकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे सभी इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाबुज में लगे शिबिर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की सभी इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी विहसल में लगे गये वाली ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1:30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अरुण कुमार जी समक्ष समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिबिर के समापन समारोह में सहज योग से श्री लोकेत कुमार जी भी आये। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् डॉ० मयक मोहन, डॉ० सीमाकाज, डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सासेन्त जी ने अपने-अपने शिबिर की सात दिवसीय (दिन-रात) शिबिर की प्रशंसा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने समापन कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख के अतिरिक्त नाटक का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पंजर प्रतिष्ठान में निर्वाचक की भूमिका भी निभाई। सभी इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एनएस्कएस्क के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर परव्रत बन्धुजी ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। एनएस्कएस्क कार्यक्रम अन्तर्गत डॉ० मयक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई की। शिबिर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिबिर स्थल के एनएस्कएस्क का सामान व्यवस्था महाविद्यालय में पहुँचाया।


Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

14

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	160
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	80
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वॉटर आई0डी0कनेक्ट बनवाये	152
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	62
5	दुधारोपण करना	25
6	सामाजिक कुसृष्टियों का विरोध करना	13
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	22
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के शक्ति के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	36
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	17
10	मकान / घरो के अन्दर और बाहर एंव आस - पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	52
11	राष्ट्रीय एकता एवं भातदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	10
12	रक्तदान किया	37

डॉ० मयंक मोहन
कार्यक्रम अधिकारी
तृतीय इकाई

Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

(16)

शिबिर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० नयंक मोहन के नेतृत्व में सप्ताह दिवस के पारम आचरन पर ध्यानकेंद्रण के लिये महाविद्यालय में रैली के रूप में शुरू गये महाविद्यालय प्राण्य में टीक 10 बजे प्राचारी नवींदर द्वारा ध्यानकेंद्रण किया गया तथा सभी स्वयंसेवकों ने शिबिरों की प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। दोपहर लगभग 12 बजे सभी स्वयंसेवक अपने कार्य-स्थल पर लौट आये तथा प्राचीन क्षेत्रों में सामाजिक कुरियिधियों की ओर प्राचीनों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुकसंद नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अंतर्गत आज की अतिथी श्रीमती मनीषा शिबिर जी थी जो कि श्रीमतीमगर क्षेत्र की एक सुप्रसिद्ध कवित्री भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को काव्य और गद्य की कुरियिधियों को बताते हुए अपने देश भक्ति के अन्तर कई कविता सुमई तथा इस प्रकार के आयोजनों में प्रतिभाग करने के लिये प्रेरित किया। रात्रि 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिबिर स्थल की साफ-सफाई की। रात्रि 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ जल-पत्रा के बोझों में अण्य हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने यहाँ क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उत्तम-सम स्थानीय बाले भी अण गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिबिर के साथ परिचारिक संबंध बन गया। रात्रि 8 बजे के लगभग यहाँ इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कुष्मकुष्म स्थित शिबिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिससे आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिससे उत्तमने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० श्रीमतीमगर की मदद रही। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् कैम्प की ओर अग्रगण्य गये स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय श्रीमती ने अपनी प्रस्तुती की जिससे कैम्प का आनंदन संतीरुम्भ हो गया। रात्रि दस बजे जलकों के दल के साथ डॉ० नयंक मोहन रहे तथा लयकियों के दल के साथ डॉ० गीतामती जी (श्रीमती श्रीमतीमगर जी के अग्रगण्य होने के कारण) रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कारण अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुरक्षा शिबिर में निश्चम किया।

शिबिर के तीसरे प्रातः 6 बजे स्वयंसेवकों ने शीघ्र किया तथा जलपान के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी डॉ० नयंक मोहन के नेतृत्व में राम की मस्तिष्क क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। तथा कई क्षेत्रों की साफ-सफाई करते हुए प्राचीनों को स्वच्छता के अर्थों से अवगत कराया इसकी साथ ही पूर्व सत्र 2017-18 में किये गये अण्ये द्वारा किये गये कार्य की संकीक्षा भी की। यहाँ यह देखकर अण्य जग जिन क्षेत्रों में सत्र 2017-18 में हमारे स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाया था तथा शीघ्रों को सफाई के प्रति जागरूक किया था वहाँ इस वर्ष कलकी साफ-सफाई देखने को मिली। यहाँ यह बात स्थान देने योग्य है कि पूर्व सत्र 2017-18 में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने जो भी करते प्राचीन महिलाओं

Principal
Municipal Hindi
Medium

को समझाई थी वे उनका पालन करने में लगे रहें। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय नोटबन्दी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव था। जिसने हमारे अतिथी श्री सुमन सोधरी जी रहे। जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था पर नोटबन्दी के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही पक्षों को अच्छे से समझाया था। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिदिर स्थल की सफाई-समाई की। साथ 5 बजे स्वयंसेवक अपने-अपनी टोली के साथ आज-प्रातः के शेरों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहाँ क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनका साथ स्थानीय बच्चे भी हुए गये जिससे कठिन स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिदिर के साथ धार्मिक भाई बन गया। साथ 6 बजे के लगभग वारी इकाई की स्वयंसेवक पुनः कुष्माकुल स्थित शिदिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने शक्ति भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसने आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार चलाया जिससे उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गौतमजी जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् केन्द्र परिवार लगायत सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने अपनी प्रस्तुती की जिससे केन्द्र का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे तकको के हल के साथ डॉ० मदन भोजन रहे तथा स्वयंसेवकों के दल के साथ डॉ० गौतमजी जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कश्यप अपने-अपने दल के कुछ तकको के साथ कुष्माकुल शिदिर में लगे।

शिदिर के तीसरे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन भोजन के नेतृत्व प्राप्त की दीवारी पर हल से बने देनरी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक भारे लिये तथा नुकसन्द नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अन्वेषकता इत्यादि सामाजिक कुतर्कों की जाँच लगे की का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिदिर के 52 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के सम्पर्क से प्रसन्न बोटियों अधिदान के अन्तर्गत बच्चों को छायाई मिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बौद्धिकजीवों की ड्यूटी दायीय शेरों में लगायी गयी थी जिसने उन्हें लोगों की चोटन जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करने की हमारे स्वयंसेवकों ने बौद्धिकजीवों की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी चोटन जाई की कार्य बन रहा है। जिसकी वजह से अनेकों दायीय अपने-अपने चोटन जाई की कार्य बनवाने में सफल रहे। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने विभिन्न दायीय शेरों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी दायीयों को दी। समाज सेवा संस्था के कार्यकर्ता श्री भानुप्रताप जी ने स्वयंसेवकों को एकत्र करके की प्रस्ताव की। उनका इन प्रयासों का दायीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। आज प्राथम्य महोदय ने शिदिर का जीवन निरीक्षण किया तथा शिदिर के अर्ध संचालन के लिये कार्यक्रम

Kul
Principal
Mahantmal Modi College
Modinagar

अधिकारी को ब्याई देते हुए स्वायत्तताओं की उनके अपने काम के लिये प्रस्ताव ली। शैक्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय था सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के अपने अधिवी श्री लोकोश जी तथा श्रीभक्ति नीतू थे। श्री लोकोश जी सहज योग के अन्तर्गत शरीर में सात चक्रों की व्याख्या की तथा इस विज्ञान से जोड़ते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। भूमि आज का शैक्षिक कार्यक्रम जयदेव शर्मा से सृजनात्मक शिविर स्थल पर ही बनवा गया था इसलिये आज साथ साथ बजे कोई भी स्वयंसेवक प्रयोग को लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले। साथ 8 बजे स्वयंसेवकों ने सवि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की शकुन्तल इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार इहल किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का का कार्य जयभग सवि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके परभाव किम्ब चौधर जयभग तथा स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु सट्टिकाओं का प्रदर्शन किया। सवि इस बजे लड़कों के दल के साथ श्री अरुण भोजन हो तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सोमनाथ जी श्री कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह सरस्वा तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ युष्क शिविर में लगे।

शिविर के पांचवें दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० अरुण भोजन एवं डॉ० अमर सिंह सरस्वा के साथ व्यायाम किया तथा प्रातः 7 बजे डॉ० सोमनाथ एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगप्रदान किया। प्रातः 8 बजे परभाव 9 बजे सहजयोग की लिये श्री लोकोश कुम्हार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा शरीर के सात चक्रों के अन्तर्गत पर शुकुलकी प्रस्तुत करने का अवसर कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ दल सीकरी गये तथा प्रातः के ऐतिहासिक शिव शिविर का प्रयोग किया जायसम्पन्न जारी इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी घाम की विभिन्न दलित भौतलों में सामाजिक सुरक्षितों और विभिन्न विज्ञान से सम्बन्धित छात्रों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। प्रातः सभी एनएएसएएसए प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रभावशीली दी तथा बताया कि इस प्रभावशीली के माध्यम से ही जनकी कार्य का आह्वान किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट जाये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके परभाव भगवान बुद्ध रत्न लोच के माध्यम से स्वयंसेवकों में सत्ता दान किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सामानों से लस शेष के परीय विद्यार्थियों के लिये कुछ वस्तु सामग्री जाये थे जो कि उन्होंने सरकार एकेजरी के सहायक सहाय्य की लिये दी। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। साथ 8 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने सवि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम

एक द्वितीय दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० सीमरज जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया स्वयंसेवकों आकाश जी के प्रयोग किया जिसमें लड़कियों की टोली गिजली रही। दूसरी मध्य की योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूरे। रात्रि दस बजे लड़कों की दल की साथ की मंचक भोजन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमरज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

शिविर के छठे दिन छात्राओं ने प्रश्नोत्तरी की माध्यम से परीक्षा बोर्ड में जाकर सही किया तथा वहां की समस्याओं को निबटारा से जाना तथा सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन के साथ अपने द्वारा किये गये कार्यों का अवलोकन किया तथा साथ ही धार्मिकों की संतानों से प्रशिक्षण का भी कार्य किया। दोपहर 11 बजे मुख्य नाटक की माध्यम से विशेष विशेषी एवं नशाखोरी को संबोधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। राम प्रधान की रंगत जी द्वारा वहां के स्थानीय संस्थानों की समस्याओं का निराकरण करने का अवलोकन दिया गया। आज शिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-बढ़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोधी का आज का विशेष कार्यक्रम उचित है अथवा अनुचित था। जिसमें स्थानीय धार्मिकों ने अपने-अपने विचार रखे। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की सफाई-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ डिम्बल प्रकार की क्रिकेट में व्यस्त हो गये। साथ 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की रोचक प्रारम्भ का भी जिसमें आज के दिन सहविद्यता की तृतीय एवं चतुर्थ दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन तथा की योगेन्द्र की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कुछ समय के शिरो अपने लक्ष्य कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी दृष्टांतों की स्वयंसेवकों ने अपने दिन समाप्त शिविर के विषय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लड़कों की दल के साथ की मंचक भोजन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमरज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या शिविर में सोये।

Kal
Principal
Mithankot

3

शिविर के अंतिम तथा रातों के दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 6 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। रातों के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने दानकारियों की सहायता के बिना उन्हें धन्यवाद देने हेतु राग का अभंग किया तथा धार्मिक शीत की अतिथि भाग्यवती से आयोज किया कि वे दोपहर 2 बजे शिविर के समापन समारोह में आकर उसकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कुलाकुस में लगे शिविर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की चारों इकाईयों का सम्पन्न एक साथ होने सुनिश्चित हुआ था। यहां जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी दिशाल में लग गये बाकी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1.30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अनिल गोविंदा जी सम्पन्न समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिविर के सम्पन्न समारोह में संस्कार भारती एकदमी के सल्लापक श्री प्रभात जी भी उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् प्राचार्य सगल डॉ० मयंक मोहन, डॉ० सीमरंज, डॉ० मीताजली, डॉ० अमर सिंह करण्य तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने-अपने शिविर की सहायता प्रस्तुत की। तत्पश्चात् चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों ने स्मारक कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख्य के अतिरिक्त नाटकों का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्माण की भूमिका भी निभाई। चारों इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवी की साक्षा किया। एक पुराने एनएलएसएल के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से शोभाओं को संजुग्ध कर दिया। अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर राजकार सम्पुर्ण ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का प्रसाद बढ़ाया। एनएलएसएल कार्यक्रम प्रभाती डॉ० मयंक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली। शिविर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों की साथ मिलकर शिविर स्थल से एनएलएसएल का सम्पन्न आपस महाविद्यालय पहुंचाया।

Principal
Maitanmal Modi Coll.,
Modinagar

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन को ताम भताना	28
3	वीडएलओकी मदद से बौदर आईडीकार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	पुशरोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	पुनरितियों को सिलाई, एवं बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा धर्म के दायित्व के अन्वय के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एवं आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रीतियों के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mintanmal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में संचालित 10से0यो0 की चतुर्थ इकाई सत्र 2018-19 के सात दिवसीय शिविर का पुनारम्भ दिनांक 01.02.2020 को प्रातः 9 बजे ग्राम कृष्णा कुंज पश्चिमी, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0 सी0 लाल, डॉ0 ए0 शर्मा, डॉ0 वी0 शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मयंक मोहन जी, थे। शिविर के उद्घाटन के समय श्री मन्जूश्री, तथा अन्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुजाता, डॉ. मनीषा बालियान, श्री सुरेन्द्र दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने घयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में विशाल, मनीष, दीपिका तथा अन्य स्वयं सेवकों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता, दहेज प्रथा गंगा सफाई सम्बन्धित कार्यों पर अपने व्याख्यान दिये। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर अपने शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे


Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 8 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुरक्षा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य महोदय को संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयां समवेत रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करें तथा अगले दिन प्रातः योगाभ्यास के पश्चात् सभी इकाईयां अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट जायें। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र जी अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।



कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 02.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के द्वितीय दिन की आख्या

शिविर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में योगा अभ्यास किये तथा लक्ष्य गीत गाकर दिन का शुभारंभ किया। स्वयंसेवक विभिन्न टोलियों में बटकर सर्वेक्षण के लिए दलित बस्ती में भ्रमण किया तथा स्वयंसेविकायें डॉ. मनीषा बालियान के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरितियों की ओर ग्रामीणों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुक्कड़ नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथि श्रीकान्त गौतम जी जो कि हमारे महाविद्यालय के सहायक अध्यापक हैं। उन्होंने मानव जीवन में पशु पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया


Principal
Muhmmal Modi College
Modinagar

जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा बालियान की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सुजाता जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





KVC
Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 03.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के तृतीय दिन की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात् महाविद्यालय पहुंचे जहां पर, खून तथा दातों की जांच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आकर्षक नारे लिखे तथा नुककड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अपिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अनित कुमार भारोतोलक चैंपियन ने अपने स्वास्थ्य को कैसे ठीक रखे पर अपने विचार दिये। अनित जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गीताजंली जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

Km
Principal
Mistankal Modi College
Modinagar

साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० गीताजंली जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कथ्यप अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





Kul
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना

दिनांक: 04.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के चतुर्थ दिन की आख्या

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना एवं डॉ० सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीड़ा लगने की समस्या अधिक देखने को मिली जिसे देखकर हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविरमें आमंत्रित किया तथा ग्रामीणों की विभिन्न कृषि से संबंधित समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अक्षिा, अज्ञानता एवं रुढ़ियादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवी संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति नीलिमा जी ने छात्राओं के उक्त कार्य की प्रशंसा की तथा स्वयं काफी समय तक उन छात्राओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। सांय 2 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विशय था सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के हमारे अतिथि श्री लोकेश जी तथा श्रीमति नीतू थे। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को धारों इकाईयों ने

K.K.K.
Principal
Mubtanimal Modi College
Modinagar

समवेत रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। वैशाली निगम जी ने समाज सेवा के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि हम समाज से कैसे जुड़ सकते हैं तथा उनके लिए क्या क्या कार्य कर सकते हैं। वैशाली निगम जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। आज का बौद्धिक कार्यक्रम समवेत रूप से कृष्णाकुंज शिविरस्थल पर ही बनाया गया था इसलिये आज सांय चार बजे कोई भी स्वयंसेवक भ्रमण के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले जिसमें छात्राओं द्वारा खो-खो तथा छात्रों द्वारा कबडडी तथा दौड का खेल उल्लेखनीय रहे। सांय 6 बजे स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की चतुर्थ इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Mulanimal Modi College
Modinagar



Principal
Mritanjali Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 05.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के पंचम दिवस की आख्या

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीमाराज एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाष्टे के पश्चात् 9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेष कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुंडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् चारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन०एस०एस० प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात् भगवान बुद्ध रक्त कोश के माध्यम से स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया। आज सभी स्वयंसेवक

अपने-अपने व्यक्तिगत साधनों से उस क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांय 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों अताक्षरी का प्रोग्राम किया जिसमें लडकियों की टोली विजयी रही। इसी मध्य श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





V.S.M.
Principal
Maharaja Modi College
Modinagar

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2016-2017
सात दिवसीय सत-दिन के विशेष शिविर की आख्या
21.02.2017-27.02.2017

हमारे महाविद्यालय में सन 2016-17 में संघटित राष्ट्रीय सेवा योजना की अग्रे प्रस्तावों के सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ दिनांक 21.02.2017 को प्रातः 8 बजे तक बुन्देलखण्ड में कार्यरत अधिकारी डॉ० मयंक मोहन की नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आर.सी.जैन, डॉ० पी० के० रमं तथा विशिष्ट अतिथि डॉ० मनीष, प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, पुष्करकाजी, सहारनपुर थे। शिविर के उद्घाटन के समय डॉ० पूरुष, समाजसेवी शिक्षादात्री, दैनिक समाचार पत्रों के सम्मालनीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य सम्मालनीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन ने सभी स्वयंसेवकों को 10-15 मिनटों की टोली में बांट दिया तथा उनकी टोली का सम्बन्धन करने वाले सप्ताह दिनों में होने वाले कार्यों के अन्तर्गत कवचों द्वारा कार्य सार प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने काम का समय अवलोकन किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयंसेवकों ने रातोंरात और अपने साथ एक अथवा सम्बन्ध स्थापित करने हुए राष्ट्रीय जीवन की समझौता को जाना तथा अपने सार पर उन समझौतों के सम्बन्धन के लिये विचार सफल भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् शैक्षिक कार्यक्रम में श्री जयेश्वर जी ने स्वयंसेवकों को अपने विषयों से परिचित किया। शैक्षिक कार्यक्रम की आज की सोधी का विषय विन्दुकीकरण देश के हित में था अथवा अहित में था। इस परिषदों में जहाँ बहादुर टोली ने पक्ष में प्रभावशाली तर्कों से अपने विचार रखे। स्वयंसेवकों के समग्र पक्ष को ही मैदान में स्वयंसेवकों ने पुराकार खेले। रात्रि में भोजन के पश्चात् विचारविमोक्ष ने जीवन शीघ्रता का आयोजन किया जिसमें सदस्यों ने कक्षावी नृत्य किया तथा लक्ष्यों के सफल सुनाये। इसके अतिरिक्त सभी ने अपने दिन भर के अनुभवों को एक-दूसरे के साथ बाँटा तथा जग पर विचार विमोक्ष किया। रात्रि 11.00 बजे सभी स्वयंसेवक सोने के लिये अपने-अपने कक्षा में चले गये।

शिविर के दूसरे दिन प्रातः 8.00 बजे सभी स्वयंसेवक जग गये तथा 9.30 बजे तक विलय कर्मा से निवृत्त होकर बोन के लिये तैयार हो गये। 9.00 बजे बगलों के पश्चात् सभी स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन के साथ सहायक पक्ष में ही विश्व ऐतिहासिक सिविल सभिर के भी दर्शन के लिये गये जहाँ स्वयंसेवकों को एक उत्तम प्रकार की आध्यात्मिक अनुभूति हुई उस सभिर के अन्दर एक वृक्ष देखे भी था जो हमारे अतितात्परि के अस्तित्व की जग्य दिनाका था। इसकी ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन की नेतृत्व में काम के अन्तिम कक्षा में सफल अभियान सहायक तथा कई कक्षा की साथ-साथ कई कक्षा हुए राष्ट्रीय जीवन अवलोकन के लक्ष्यों से अग्रगत कक्षा तथा छात्राओं ने प्रभावशाली के सहायक से राष्ट्रीय सेवा में उत्तम अवलोकन कार्य किया। इन सभी कक्षा के


Principal
Mooltanimal Modi College
Modinagar

से तैयार किये गये जिन्हा प्रदर्शन रात्री की सोपाल भन करवा एत किया गया जिससे कि छात्रीय समाज की पुस्तकन विचारधारा में कुछ परिवर्तन करने उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र -छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोटिव तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योग कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलसाधार करने। इसके परवात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न छात्रीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी छात्रीयों को दी यहा यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक छात्रीयों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु छात्रीयों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढ़ा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनकी काम आयीगा। इनके अविरचित छात्राओं ने छात्रीय महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अधिका, अज्ञानता एवं रुढ़िवादिता के कारण उनको बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब छात्रीय के बीच पहुँच कर उनसे बात करते थे तो अनेक छात्रीयों ने उनसे सरकारी अधिकारी समझ लिया तथा उनसे बचने का प्रयास किया उस स्थिति में हमारे स्वयंसेवकों ने उन्हें रात में ही के विषय में बताया तथा उनका धम दूर करते हुए उनकी मदद का प्रयास किया। उनके इन प्रयासों का छात्रीयों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची में आज स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी फलक तथा श्री भूषण जी आये उन्होंने उक्त विषय पर एक प्रस्तावनाही व्याख्याम दिया तथा बताया कि हर घर में सौभाग्य की व्यवस्था के लिये सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उन्होंने इनके साथ ही स्वयंसेवकों का आहवान इस मिशन से जुड़ने के लिये किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका छात्र एवं अध्यापक श्री योगेश तिवारी की रही। आज दोपहर के समय प्राचार्य महोदय ने शिविर का औपचारिक निरीक्षण किया साथ में श्री हरीश कुमार भी थे। प्राचार्य महोदय ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पूरे शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वयंसेवकों को सुझाव देते हुए उनको कार्य की प्रशंसा की। यदि वे शिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके अंतर्गत कव्वाली प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। जिसमें मधना, शुभांगी, मिथिल, मोहित, प्रताना नेतव में अच्छा प्रदर्शन किया।

शिविर के पांचवे दिन छात्र -छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूषण जी ने सहज योग की विधि बताया थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काफी संख्या में छात्रीय लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके परवात् स्वयंसेवकों ने छात्रीयों को सरकार द्वारा उनको लिये बताया जो रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरूकता को प्रकट करने के लिये एक सामुहिक अभियान बताया जिसमें मुखक नटक के माध्यम से पौख नरा, प्रपुषण तथा जूना इत्यादि जैसे दुर्दायी पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की सोची का आज का विषय कृषि बनाम औद्योगिक विकास-देश के विकास में क्या अधिक सहायक है का जिसमें हमारे मुख्य वक्ता श्री योगपाल जी थे।


Principal
Multanial Moh College
Modimgar

स्वयंसेवकों ने अपनी-अपनी टोली की रिपोर्ट तैयार की तथा यह सुनिश्चित किया कि वे रिपोर्ट किसी स्वाम अधिकारी से सम्बन्ध रखी जाये जिससे कि राष्ट्रीय सेवा की समस्त का कुछ सम्बन्ध हो सके।

शिविर के अन्तिम तथा आखिरी दिन छात्र-छात्राओं ने सम्प्रदायिकों के सहयोग के लिये अपने अन्तर्गत देने हेतु राम का प्रमाण किया इससे साथ ही उन्हें आश्वासन भी दिया कि उनकी समस्याओं को शासन के समक्ष रखकर कुछ न कुछ सम्बन्ध निश्चित करने का अवसर प्रदान किया जायेगा। 1 बजे शिविर में पहुँचकर स्वयंसेवकों ने भोजन तैयार किया। दोपहर लगभग 3 बजे प्राचार्य सहोदय डॉ० आर्य जी जल सहज, विविध अतिथि डॉ० मृगेश तानी उनके दो सहायक तथा राम के अन्य सम्बन्ध व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसने स्वयंसेवकों ने सरकारी कन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगरंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें सहोदय प्रथा एवं समाज से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ से संबंधित समस्याओं को दर्शाते हुए आदिश, रीतु, अमित इत्यादि ने गुरूकुल नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र-छात्राओं ने इस बात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निश्चित वे सभी स्वयंसेवकों की प्रयासों से कुछ की गये एक सन्दूक एवं 50 रुपये की सरकारी महाविद्यालय के एन्ट्रान्स एन्ट्रान्स इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने आत दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल एक दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहाँ सिखा है उन आदर्शों को जीवनभरके निभाया है। अन्त में प्राचार्य सहोदय ने छात्रों को आत दिवसीय विशेष शिविर के सम्बन्ध की विधियाँ प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतावे जिससे कि उनमें भी समाज के प्रति अपने कर्तव्यों उत्पन्न हो सकें। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली।

K.M.
Principal
Muhannaal Modi College
Modinagar

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2017-2018
सतत दिवसीय दिन-रात के विशेष क्विज के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाईयों के सतत दिवसीय (दिन-रात) क्विज का शुभारम्भ दिनांक 09.01.2018 को प्रातः 8 बजे राम भूषेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सत्यक मोहन जी की नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० आरसी०लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ० पी० वी० गर्ग वी। क्विज के उद्घाटन के समय डॉ० विवेकशेखर, श्री बी०एम०जी०, दैनिक समाचार पत्रों के सम्बन्धीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य सम्बन्धीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों ने राम का स्नान उपलब्ध कराया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने प्रश्नोत्तरी और अपने-अपने भेदा एक अच्छा सम्बन्ध स्थापित करते हुए सामान्य जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान को तब विचार करना भी किया। रातको भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मनोज जी ने स्वयं सेवकों को 'गुरु गणेश विद्या जी की जयन्ति के अवसर पर उनकी विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की शैली का विषय 'स्वातंत्र्य हमारा जन्म विद्या अधिकार है' था। जिसमें स्वयं सेवकों जैसे विषय को लेकर नई-नई परिभाषाएँ सामने आईं। इसमें अतिरिक्त प्रश्नों एवं अतिथियों ने बहुत ही सहभागिता तरीके से अपनी-अपनी को सहायता दी। रात 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर सतत बहदुर शास्त्री स्तूप जिसमें कि क्विज का आयोजन किया गया था उस स्थान की सजा-सफाई की। प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ जल-पास के क्षेत्र में प्रयोग हेतु निकल गये। रात 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों का एकत्रित स्थान पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुझा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने आचार्य सहाय्य की संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयों सम्बन्धित रूप से एक ही स्थान पर एकत्रित होकर सम्पन्न करेंगी तथा अगले दिन प्रातः योगसभान्त के पश्चात् सभी इकाईयों अपने-अपने कार्यक्रम में लगे जावेंगी। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की शैली प्रारम्भ की थी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारियों की मदद ली। भोजन का कार्य सम्पन्न रात्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् योग और जपना तथा स्वयंसेवकों ने विभिन्न

टी0 मयंक मोहन से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा टी0 अमर सिंह कश्यप अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा विठौर में रहे।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन के नेतृत्व में घण्टी की दीवारी पर हाथ से बने घण्टी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के निम्ने अवलोकन गारे सिखें तथा मुद्रकल भाटक के माध्यम से सहाय्य बंदोख अथिवा अतिथिवा इत्यादि सामाजिक दुर्दार्थों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिविर के 44 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के माध्यम से पन्स पीसेको अभियान के अन्तर्गत बच्चों को दवाई पिलवाई। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बी0एल0ओ0 की ड्यूटी घण्टीय क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसमें उन्हें लोगों की बीटर जाई की बनाने की प्रक्रिया पूरी करनी थी। हमारे स्वयंसेवकों ने बी0एल0ओ0 की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी बीटर जाई0 की जाई बन रहा है। जिसकी वजह से बनेको प्राणीय अपने-अपने बीटर जाई0 की जाई बनवाने में सफल रहे। बौद्धिक कार्यक्रम की घोषी का आज का विषय शिक्षक एवं शिक्षार्थी था। जिसने हमारे अतिथी श्री अशोक त्यागी जी रहे। जिसने ने अपने औजरवी विद्यार्थी से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के परस्पर संबंधों को बढ़े तरीके से परिचित कराने हुए उन्हें एक-दूसरे का पूरक बताया। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टी0जी के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। साथ 6 बजे के लगभग घण्टी इकाई0 के स्वयंसेवक पुनः कुम्हारकुज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने सत्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन सार्विदालय की कृतीय इकाई0 ने भोजन बनाने का कार्यभार धारण किया जिसने उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन जी मदद से। आज भोजन के समय कुछ स्वयंसेवक निवृत्तों से ज्ञा गये तथा उन्होंने से स्वयंसेवकों के साथ ही भोजन किया पश्चात् उन्होंने कहा कि वे अपने दिन परोप मात्र में मुक्त और पाठ्य स्वयंसेवकों के निम्ने मिलजुब करेंगे। भोजन का का कार्य लगभग सत्रि 8 बजे सम्पन्न हो गया जिसके पश्चात् जीय बीटर लघात् 11वा स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुती की। सत्रि 10 बजे जयकों के दल के साथ श्री अमर सिंह जी से तथा लवकियों के दल के साथ टी0 सीमराज जी से। कार्यक्रम अधिकारी टी0 मयंक मोहन तथा टी0 योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ सदस्यों के साथ गुल्वा विठौर में रहे।

Kal
Principal
Mahanimal
Modi

कार्यक्रम अधिकारियों की तत्परता, स्थानीय लोगों का सहयोग तथा स्वयंसेवकों की समझदारी से कोई भी अड़ियल घटना घटित नहीं हुई।

शिविर के पांचवें दिन प्रातः 9 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ अद्यात्म किया तथा छात्रों ने डॉ० सीताराम एवं श्री सुप्रेम जी के साथ योगाभ्यास किया। नाश्ते के पश्चात् 9 बजे सहजयोग की शिपे श्री लीकेश कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के साथ स्वरा के आकार पर सुदृढ़नी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ राम सीकरी गये तथा महा के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् धारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी घाम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन्वायरनमेंट अधिकारियों ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। यहां उल्लेखनीय है कि दोपहर भोजन के प्रबंध के लिये धारा इकाईयों के 5-5 स्वयंसेवक शिविर स्थल पर ही रुके थे जिन्होंने पूर्ण सुरक्षता के साथ अपने कार्य को पूरा किया। बौद्धिक कार्य के अन्तर्गत सांघ 4 बजे श्री प्रभात शर्मा जी, स्पेशल हाइम ड्रांग अधिकारी, दिल्ली हमारे लक्ष्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव हमारे साथ साझा करते हुए स्वयंसेवकों को इस विषय के बारे में जानकारी दी कि यदि उन्हें पुलिस विभाग में सेवाएं देने की इच्छा है तो वे किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से उनके साथ वार्तालाप किया। आज सभी स्वयंसेवक अपने-अपने व्यक्तिगत सचनों से उस क्षेत्र के तरीके विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांघ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों की जाप-जासूरी की। सांघ 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोर्ची के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांघ 6 बजे के आसपास स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की भ्रमण एवं दिशिप इकाईयों ने भोजन


Principal
Muhaimmal Modi College
Modinagar

दीर्घ खीर लगाया गया जिससे सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कुछ समय की लिये अपने-आपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समापन शिबिर के विषय में परिचर्चा की। लॉकेट देवा बजे लड़कों के दल की रूप से मयक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के रूप में सीमाकाज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुझा शिबिर में रहे।

शिबिर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 8 बजे तक व्यायाम एवं योग किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने प्रायश्चित्तियों के सहयोग के लिये उन्हें बन्धवार देने हेतु काम का समर्थन किया तथा धार्मिक क्षेत्र की वरिष्ठ नागरिकों से अप्रार्थ किया कि वे दोपहर 2 बजे शिबिर के समापन समारोह में आकर उनकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे सभी इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाबुज में लगे शिबिर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की सभी इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी विहसल में लगे गये वाली ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1:30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अरुण कुमार जी समक्ष समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विशिष्ट अतिथी के अतिरिक्त शिबिर के समापन समारोह में सहज योग से श्री लोकेट कुमार जी भी आये। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् डॉ० मयक मोहन, डॉ० सीमाकाज, डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सासेन्त जी ने अपने-अपने शिबिर की सात दिवसीय (दिन-रात) शिबिर की प्रशंसा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों ने समापन कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें मुख के अतिरिक्त नाटक का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पंजर प्रतिवेगिता में निर्वाचक की भूमिका भी निभाई। सभी इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एनएस्कएस्क के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर परजान बन्धुजी ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। एनएस्कएस्क कार्यक्रम अन्तर्गत डॉ० मयक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई की। शिबिर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिबिर स्थल के एनएस्कएस्क का सामान व्यवस्था महाविद्यालय में पहुँचाया।

Vish
Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

को समझाई थी वे उनका पालन करने में लगे रहें। आज बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विषय नोटबन्दी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव था। जिसने हमारे अतिथी श्री सुमन सोहरी जी रहे। जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था पर नोटबन्दी के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही पक्षों को अच्छे से समझाया था। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिदिर स्थल की सफाई-समाई की। साथ 5 बजे स्वयंसेवक अपने-अपनी टोली के साथ आज-प्रातः के भोजन में अलग हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने चर्ची क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनका साथ स्थानीय बच्चे भी हुए गये जिससे कठिन स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिदिर के साथ धार्मिक भाई बन गया। साथ 6 बजे के लगभग वारी इकाई की स्वयंसेवक पुनः कुष्माकुल स्थित शिदिर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रुचि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसने आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार चलाया जिससे उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गौतमजी जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् केन्द्र परिवार लगायत सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने अपनी प्रस्तुती की जिससे केन्द्र का वातावरण संगीतमय हो गया। अन्तिम दोन बजे तकको के हल के साथ डॉ० मदन भोजन रहे तथा स्वयंसेवकों के हल के साथ डॉ० गौतमजी जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कश्यप अपने-अपने हल के कुछ तकको के साथ कुष्माकुल शिदिर में लगे।

शिदिर के तीसरे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मदन भोजन के नेतृत्व प्राप्त की दीवारी पर हल से अने देनरी के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्थिक भारे लिये तथा नुकसन्द नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अल्पशिक्षण इत्यादि सामाजिक कुतर्कों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज के दिन हमारे शिदिर के 52 स्वयंसेवकों ने सरकारी अधिकारियों के सम्पर्क से प्रसन्न परिणामों अधिदान के अन्तर्गत बच्चों को छायाई मिलायी। इसके साथ ही आज सरकारी आदेशानुसार सभी बौद्धिककार्यो की जगह प्राचीन क्षेत्रों में लगायी गयी थी जिसने उन्हें लोगों की चोटन जाई हो बनाने की प्रक्रिया पूरी करने की हमारे स्वयंसेवकों ने बौद्धिककार्यो की मदद हेतु घर-घर जाकर लोगों को बताया कि आज उनकी चोटन जाई हो कार्य बन रहा है। जिसकी वजह से अनेको प्राचीन अपने-अपने चोटन जाई हो कार्य बनवाने में सफल रहे। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने विभिन्न प्राचीन क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्य से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी प्रायोगों को दी। समाज सेवा संस्था के कार्यकर्ता श्री भानुप्रताप जी ने स्वयंसेवकों को एकत्र करके की प्रस्ताव की। उनका इन प्रयासों का प्रायोगों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। आज प्राचार्य महोदय ने शिदिर का जीवनक निरीक्षण किया तथा शिदिर के अर्थात् संचालन के लिये कार्यक्रम

Principal
Mahantmal Modi College
Modinagar

एक द्वितीय दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० सीमराज जी मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया स्वयंसेवकों आकाश्री का प्रयोग किया जिसमें लड़कियों की टोली नियुक्त की। दूसरी मध्य की योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूरे। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ की मंचक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या सिविर में सोये।

सिविर के छठे दिन छात्राओं ने प्रश्नावली के माध्यम से परीक्षा बोर्ड में जाकर सही किया तथा वहां की समस्याओं को निबटारा से जाना तथा सभी स्वयंसेवकों ने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन के साथ अपने द्वारा किये गये कार्यों का अवलोकन किया तथा साथ ही धार्मिकों की सलाह से प्रशस्तोपना का भी कार्य किया। दोपहर 11 बजे मुख्य नाटक की माध्यम से विशेष विशेषी एवं नशाखोरी को संबोधित समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। राम प्रधान की रसक जी द्वारा कल के स्थानीय संस्थानों की समस्याओं का निराकरण करने का अवलोकन दिया गया। आज सिविर स्थल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-बढ़कर हिस्सा लिया। बौद्धिक कार्यक्रम की शोधी का आज का विशेष कार्यक्रम उचित है अथवा अनुचित था। जिसमें स्थानीय धार्मिकों ने अपने-अपने विचार रखे। साथ 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर सिविर स्थल तथा उसके आस-पास की क्षेत्रों की सफाई-सफाई की। साथ 5 बजे सभी स्वयंसेवकों अपनी-अपनी टोली के साथ डिम्बल प्रकार की क्रिकेट में व्यस्त हो गये। साथ 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की रोचक प्रारम्भ का भी जिसमें आज के दिन सहविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ दृष्टांतों ने भोजन करने का कार्यक्रम चलाया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मंचक मोहन तथा की योगेन्द्र की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् डीएम परिवार लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कुछ समय के लिए अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी दृष्टांतों की स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दिन समाप्त सिविर के विषय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लड़कों के दल के साथ की मंचक मोहन रहे तथा लड़कियों के दल के साथ डॉ० सीमराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जयर सिंह कश्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लड़कों के साथ सुक्या सिविर में सोये।

Kal
Principal
Mithankot

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन को ताम मारना	28
3	बीएलओ की मदद से बोंदर आईडीकार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	पुशरोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	पुस्तकियों को सिलाई, एवं बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के अन्वय के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एवं आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रीतिरिवाज के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mintanmal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में संचालित 10से0यो0 की चतुर्थ इकाई सत्र 2018-19 के सात दिवसीय शिविर का पुनारम्भ दिनांक 01.02.2020 को प्रातः 9 बजे ग्राम कृष्णा कुंज पश्चिमी, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0 सी0 लाल, डॉ0 ए0 शर्मा, डॉ0 वी0 शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मयंक मोहन जी, थे। शिविर के उद्घाटन के समय श्री मन्जूश्री, तथा अन्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुजाता, डॉ. मनीषा बालियान, श्री सुरेन्द्र दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने घयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में विशाल, मनीष, दीपिका तथा अन्य स्वयं सेवकों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता, दहेज प्रथा गंगा सफाई सम्बन्धित कार्यों पर अपने व्याख्यान दिये। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर अपने शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे


Principal
Mulanmal Modi College
Modinagar

सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 8 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये जिसका मुख्य कारण यह था कि सुरक्षा की दृष्टि से चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य महोदय को संज्ञान में लाते हुए यह निर्णय लिया था कि रात्रि के सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की चारों इकाईयां समवेत रूप से एक ही स्थल पर एकत्रित होकर सम्पन्न करें तथा अगले दिन प्रातः योगाभ्यास के पश्चात् सभी इकाईयां अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट जायें। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें प्रथम दिन महाविद्यालय की प्रथम इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात् कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री योगेन्द्र जी रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र जी अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।



कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 02.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के द्वितीय दिन की आख्या

शिविर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में योगा अभ्यास किये तथा लक्ष्य गीत गाकर दिन का शुभारंभ किया। स्वयंसेवक विभिन्न टोलियों में बटकर सर्वेक्षण के लिए दलित बस्ती में भ्रमण किया तथा स्वयंसेविकायें डॉ. मनीषा बालियान के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरितियों की ओर ग्रामीणों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुक्कड़ नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथि श्रीकान्त गौतम जी जो कि हमारे महाविद्यालय के सहायक अध्यापक हैं। उन्होंने मानव जीवन में पशु पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया


Principal
Muhmmal Modi College
Modinagar

जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा बालियान की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सुजाता जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० सुरेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





KVC
Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 03.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के तृतीय दिन की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात् महाविद्यालय पहुंचे जहां पर, खून तथा दातों की जांच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आकर्षक नारे लिखे तथा नुककड़ नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अपिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अनित कुमार भारोतोलक चैंपियन ने अपने स्वास्थ्य को कैसे ठीक रखे पर अपने विचार दिये। अनित जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ-सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सांय 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुन कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० गीताजंली जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

K. M.
Principal
Mistankmal Modi College
Modinagar

साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ० मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० गीताजंली जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ० अमर सिंह कथ्यप अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





Kul
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना

दिनांक: 04.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के चतुर्थ दिन की आख्या

शिविर के चौथे दिन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना एवं डॉ० सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस वर्ष इस क्षेत्र में फसलों में कीड़ा लगने की समस्या अधिक देखने को मिली जिसे देखकर हमारे स्वयंसेवकों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करके उन्हें अपने शिविरमें आमंत्रित किया तथा ग्रामीणों की विभिन्न कृषि से संबन्धित समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अक्षिा, अज्ञानता एवं रुढ़ियादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। समाज सेवी संस्था की कार्यकर्ता श्रीमति नीलिमा जी ने छात्राओं के उक्त कार्य की प्रशंसा की तथा स्वयं काफी समय तक उन छात्राओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। सांय 2 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज का विशय था सहज योग आज का महायोग जिसमें आज के हमारे अतिथि श्री लोकेश जी तथा श्रीमति नीतू थे। आज इस बौद्धिक कार्यक्रम सत्र को धारों इकाईयों ने

K.K.
Principal
Mubtanimal Modi College
Modinagar

समवेत रूप में एक ही स्थान पर एकत्रित होकर प्रारम्भ किया। वैशाली निगम जी ने समाज सेवा के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि हम समाज से कैसे जुड़ सकते हैं तथा उनके लिए क्या क्या कार्य कर सकते हैं। वैशाली निगम जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद सक्सेना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। आज का बौद्धिक कार्यक्रम समवेत रूप से कृष्णाकुंज शिविरस्थल पर ही बनाया गया था इसलिये आज सांय चार बजे कोई भी स्वयंसेवक भ्रमण के लिये नहीं गया तथा सभी ने अपनी-अपनी टोली बनाकर विभिन्न खेल खेले जिसमें छात्राओं द्वारा खो-खो तथा छात्रों द्वारा कबडडी तथा दौड का खेल उल्लेखनीय रहे। सांय 6 बजे स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की चतुर्थ इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० योगेन्द्र जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों विभिन्न विषयों में लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Mulanimal Modi College
Modinagar



Principal
Mritanjali Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 05.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के पंचम दिवस की आख्या

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ० मयंक मोहन एवं डॉ० अमर सिंह कश्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्रों ने डॉ० सीमाराज एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाष्टे के पश्चात् 9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेष कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुंडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक शिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पश्चात् चारों इकाई अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबंधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन०एस०एस० प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक-एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात् भगवान बुद्ध रक्त कोश के माध्यम से स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया। आज सभी स्वयंसेवक

Principal
Muhantmal Modi College
Modinagar

अपने-अपने व्यक्तिगत साधनों से उस क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के लिये कुछ पाठ्य सामग्री लाये थे जो कि उन्होंने संस्कार एकेडमी के संचालक महोदय को सौंप दी। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की। सांय 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० सीमाराज की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों अंतोक्षरी का प्रोग्राम किया जिसमें लडकियों की टोली विजयी रही। इसी मध्य श्री योगेन्द्र जी ने सामान्य ज्ञान के कुछ रोचक प्रश्न स्वयंसेवकों से पूछे। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० सुरेन्द्र सिंह तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।





V.S.M.
Principal
Maharaja Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी - योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 06.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के षष्ठम दिवस की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात महाविद्यालय में चल रहे एक दिवसीय विशेष युवा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का शीर्षक "आज का युवा भविष्य का भारत" खून तथा दातों की जाँच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इसी दौरान विद्यालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कशक नारे लिखे तथा नुकवड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अप्रिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छात्रों के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर-घर जाकर साक्षरता एवं साफ-सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय नौकरी बनाम व्यक्तिगत व्यवसाय था। जिसमें हमारे आज के अतिथि श्री रमाशंकर, व्यवसायी तथा श्री अश्वनी जी, नौकरीपेशा उपस्थित थे। अलग-अलग कार्यक्षेत्र से जुड़े दोनों ही व्यक्तियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र की कमियाँ


Principal
Maitanmal Modi College
Modinagar

और अच्छाईयां बताई तथा स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस परिचर्चा में यह बात सामने आयी कि सरकारी नौकरी में अवसरों की कमी है किन्तु यदि सही प्रकार से तैयारी की जाये तो प्राईवेट सेक्टर में आज भी युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग करके अपनी आजीविका कमा सकते हैं। तथा व्याय आवश्यक नहीं है कि बहुत बड़ी पूंजी के साथ ही प्रारम्भ किया जाये थोड़ी पूंजी से भी व्यापार प्रारम्भ करके व्यवसाय को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में अर्जुन अवाठी श्री अंकुर धामा उपास्थि थे जो पैराओलम्पिक में देश को गोल्ड दिलाया अंकुर जी मिलकर छात्र-छात्राओं ने मिलकर काफी उत्साहित हुए अंकुर जी ने खेल और दिव्यांग जागो के बारे में छात्र-छात्राओं के बीच अच्छी जानकारी दे साझा किये। सांय 5 बजे सभी स्वयंसेवक अपनी-अपनी टोली के साथ विभिन्न प्रकार की क्रिडाओं में व्यस्त हो गये। सांय 6 बजे के लगभग स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ इकाइयों ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंने अपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मयंक मोहन तथा श्री योगेन्द्र की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कुछ समय के लिये अपने चारों कार्यक्रम अधिकारियों के साथ सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने अगले दिन समापन शिविर के विशय में परिचर्चा की। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ श्री मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ० सीमाराज जी रही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अमर सिंह कथ्यप तथा डॉ० योगेन्द्र अपने-अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

Kul
Principal
Multinational Modi College
Modinagar



K.M.
Principal
Muktanmai Modi College
Modinagar

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सेना

दिनांक: 01.07.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना-2019-2020 (चतुर्थ इकाई)
सात दिवसीय रात-दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

शिविर के अन्तिम तथा सातवें दिन सभी स्वयंसेवक प्रातः 5 बजे उठे तथा उन्होंने 6 बजे तक व्यायाम एवं योगा किया। नाश्ते के पश्चात् प्रातः 9 बजे सभी छात्र-छात्राओं ने ग्रामवासियों के सहयोग के लिये उन्हें धन्यवाद देने हेतु ग्राम का भ्रमण किया तथा ग्रामीण क्षेत्र के बरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया कि वे दोपहर 2 बजे शिविर के समापन समारोह में आकर उसकी शोभा बढ़ाये। 11 बजे चारों इकाईयों के स्वयंसेवक कृष्णाकुंज में लगे शिविर में उपस्थित हो गये क्योंकि महाविद्यालय की चारों इकाईयों का समापन एक साथ होना सुनिश्चित हुआ था। यहाँ जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वे अपनी रिहर्सल में लग गये बाकी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की। 1.30 बजे तक सभी स्वयंसेवकों ने भोजन कर लिया। दोपहर 2 बजे प्राचार्य महोदय तथा श्री अनिल गोविंदा जी समापन समारोह में मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथी एवं विपिष्ठ अतिथी के अतिरिक्त शिविर के समापन समारोह में संस्कार भारती एकदमी के संस्थापक श्री प्रभात जी भी उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् प्राचार्य सम्मक्ष डॉ० मयंक मोहन, डॉ० सीमाराज, डॉ० गीताजंली, डॉ० अमर सिंह कश्यप तथा श्री योगेन्द्र सक्सेना जी ने अपने-अपने


Principal
Multinational Medi College
Modinagar

शिविर की सात दिवसीय आख्या प्रस्तुत की। तत्पश्चात् चारों इकाईयों के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की इसमें नृत्य के अतिरिक्त नाटकों का भी प्रदर्शन हुआ। प्राचार्य महोदय ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। चारों इकाईयों के 3-3 स्वयंसेवकों ने अपने अनुभवों को साझा किया। एक पुराने एन0एस0एस0 के विद्यार्थी ने अपनी स्वयं की लिखी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्त में प्राचार्य महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर पत्रकार बन्धुओं ने भी उपस्थित होकर स्वयंसेवियों का उत्साह बढ़ाया। एन0एस0एस0 कार्यक्रम प्रमारी डॉ मयंक मोहन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक-दूसरे से विदाई ली। शिविर समापन के पश्चात् सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने कुछ छात्रों के साथ मिलकर शिविर स्थल से एन0एस0एस0 का सामान वापस महाविद्यालय पहुंचवाया।


Principal
Muktanand Modi College
Modinagar

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जागरूकता देना।	198
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	28
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	वृक्षारोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरों के अन्दर और बाहर एंव आस-पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

K.M.
Principal
Mahatma Modi College
Modinagar

Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana program

(October. 23-24, 2019)

(मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना)

The two days Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana organized on oct. 23-24, 2019 by all four units of NSS headed by Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Baliyan in MM College, under the guidance, support and motivation of Pricipal Prof Ram Chandra Lal. The aim of this program was to disseminate awareness Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana. The various cultural events were organized (~ 120 students participate) and the first, second and third winner was awarded with medal and certificate. The NCC officer Dr. Mukesh Kumar anRobers and Rangers officer Dr. Rohtash and Dr. Deepshika were also present. The events were examined by four judges- Dr. P.K. Garg, Dr. Vivek Sheel, Dr. Deepshikha and Dr. Arun Kumar Maurya.

The award ceremony was held on Nov. 01, 2019 in the college auditorium.



K. Lal
Principal
Maitramal Modi C
Modimgar



K.M.
Principals
Mritamayi Modi College
Modinagar



Multanil Modi College

Modinagar-201204 (U.P.)

(Affiliated to Ch. Charan Singh University, Meerut)
(A NAAC Accredited College)

Phone No. : 01232 - 243492
Fax No. : 01232 - 223620

Website: www.mmcmodinagar.ac.in
Email : info@mmcmodinagar.ac.in

NOTICE

Various competitions held on October 23- 24, 2019 in college campus for raising awareness for "Mukhayamantri Kanya Sumangala Yojana, UP".

Results are as follows:

Rangoli Competition		
Position	Group	Name of Participants/Students
Ist Position	Group 10	Shivani, Manish, Itisha, Prarav, Sonam and Aarzoo
IInd Position	Group 6	Shazia, Shivani, Reetu and Riya
IIIrd Position	Group 9	Chetan, Pooja, Priyanka, Deepika and Bhawna
Bandhanwar Competition		
Ist Position	Group I	
IInd Position	Group II	
Mehndi Competition:		
Ist Position	Ritu	
IInd Position	Riya	
IIIrd Position	Neha and Vani	

*Note: Award ceremony will be held on November 01, 2019 in the college auditorium.

[Signature]
Principal
Multanil Modi College
Modinagar

Poster Competition:

Ist Position	Shalu
IInd Position	Khalid and Anu
IIIrd Position	Swati ken

Y. P. Bhasin
Convenor

Principal
Mufannunul Mawati College

Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana

(मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना)

The two days Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana organized on Feb. 26-27, 2020 by all four units of NSS headed by Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Baliyan in MM College under the able guidance, support and motivation of Principal Prof Ram Chandra Lal. The various cultural events like Rangoli, essay writing and speech were organized and ~80 students participated. The aim of this program was to disseminate awareness Mukhya Mantri kanaya Sumangla yojana. The NCC officer Dr. Mukesh Kumar anRobers and Rangers officer Dr. Rohtash and Dr. Deepshika were also present. The Dr. Ajai Sharma was the chief guest of the program and other respective member were Dr. Vandana Sharma coordinator of women cell, Dr. Prachi Agrwal head Sanskrit department and Dr. Poonam Chaudary.



R.C.L.
Principal
Mahantlal Modi College
Modinagar



K. K. K.
Principals
Mithankumar Mittal
2014/15

NSS-Progress Report (August, 2019)

August 9, 2019

- In view to increase green cover one day camp was organized jointly by Unit 1 and 4 on August 9, 2019 for plantation in college campus. NSS students (~60 students) actively participated in this plantation drive. Saplings of trees like Pipal, Siris, Bargad, Jamun, Imli, Amlatas etc were planted in the field.



K. K.
Principal
Muhimbi Modi College
Modinagar



K.M.
Principal
Maitanmal Modi College
Mumbai

International Ozone Day

16 September 2019

The one day NSS camp was organized by all four NSS unit (Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Mr. Surendra Kumar Mishra) in Multanilal Modi College in order to celebrate **International Ozone Day on 16 September 2019**. ~140 students were present in this program. The purpose of this program was to make awareness among students about International Ozone Day and its importance for living beings, regarding different lectures were given by Dr. Arun Kumar Maurya and Dr. A.S. Kashyap, on different dimensions of International Ozone Day.



Two days environmental programme

September 18, 2019

The two days environmental programme was organized by all four NSS units (~240 students) of Multanmal Modi College Modinagar on Sep.18, 2019 to Sep.19, 2019 in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The title of programme is **NIRJAN SE SRIJAN KI OR** which means how we can contribute for our environment to recreate it original form so we can live in healthy environment and survive a happy life. The first day programme was started by welcome speech of Yogendra Prasad Saksena coordinator of NSS programme followed by the motivational lecture of delivered by Principal Sir. The special lecture on environment dedicated to conservation of tree and water was delivered by Dr. Krishan Kant Sharma who has recently awarded with Saraswati award 2019 by government Uttar Pradesh.



Principal
Multanmal Modi College
Modinagar



KK
Principal
Mahatma Modi College
Modinagar

Stop the use of single use plastics

September 28, 2019

One day camp was organized in Village Sikri in by all four NSS units (Mr Yogendra Saksena Dr. Manisha Baliya, Dr. Sujata, Mr Surendra Kumar Mishra) and – 180 students were participated to spread awareness for stop the use of single use plastic. The NSS Volunteers interacted villagers and make them understand the ill effects of plastic are and polythene. Volunteers encouraged the villagers to minimize use of polythene by distributing cloth bags.



Principal
Maulana Azad College
Muzaffargarh

Dr. A. P. J. Abdul Kalam birth anniversary

15 October, 2019

The seminar was organized on the occasion of birth anniversary of Dr. A. P. J. Abdul Kalam by National Service Scheme (NSS) team running by NSS Officer Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra and Dr. Manisha Balyan of Multinimal Modi College Modinagar (~120 students) in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The Dr. Joyati Singh was chief guest of this program. Dr. A.P.J. Abdul Kalam was the 11th President of India (2002-2007). Being a politician, he was a scientist and a teacher. He played a crucial role in the Pokhran-II nuclear tests in 1998 and so, he earned the title 'Missile Man of India'. The United Nations had declared in 2010 as World Students' Day on 15 October. Dr. A.P.J. Abdul Kalam's role in teaching and his dedication can't be explained in words. He always identified himself as a teacher. Dr. Arun Kumar Maurya gave special talk on different dimension of Dr. A.P.J. Abdul Kalam's contribution for nation. Many speeches were also delivered by NSS volunteer on different topics. Dr. Deepshikha, Dr. Mamata Gupta, Dr. Prachi Agrawal, Dr. Poonam Chaudhari, Dr. Komal Gupta, Mr. Dinesh Kumar were also actively participated.



Principal
Multinimal Modi College
Modinagar



The constitution day 26 November 2019

The constitution day was celebrated by Department of Political Science NSS, NCC, Rovers & Rangers and IPR cell jointly in Multinimal Modi College Modinagar (~ 250 students were present) on 26/11/ 2019 in the supervision of our Principal Prof. Ram Chandra Lal. The invited lecture was delivered by Mr Satya Prakash (Assistant Professor, Economics, DSC (E), and DU) & Dr Vinod Kumar (Former Associate Professor, Pol.Sci) on this occasion. Mr. Satya Prakash talked about evolution and important of our constitution where as Dr Vinod Kumar gave a detail account about our fundamental duties and right. The other important event of this program were-

- Career Guidance and Interaction by Mr Satya Prakash
- Poem, Speeches, Drama etc. by NSS, NCC and other students
- Faculty and Students participated with full enthusiasm.



K. Lal
Principal
Multinimal Modi College
Modinagar



KV
Principal
Multanmal Modi College
Modinagar



[Signature]
Principal
Multanimal Modi College
Modinagar

Dr. Rajendra Prasad Janti celebration

03 December, 2019

Dr. Rajendra Prasad Janti was celebrated 03 December, 2019 by National Service Scheme (NSS) (Mr. Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Surendra, and Dr. Manisha) and NCC team (Mr. Shrikant) of Multanilal Modi College Modinagar in the supervision of Principal Prof. Ram Chandra Lal. The students (~60 students) The motivational lecture delivered by Vice Principal Prof. A.K. Sharma, Dr. A. Nehra, Dr. Arun Kumar Maurya, Dr. A.S. Kashyap on different dimension of this the great personality and their contribution for nation. Many speeches were also delivered by NSS volunteer on different topics related to Dr. Rajendra Prasad. The vote of thanks represented by Dr. Sujata.



NSS Progress Report (2020-21)

26, November 2020

On November 26, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saxena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one day camp to celebrate Constitution Day in conference hall of college campus. Programme was inaugurated by Mrs. Komal Panwar, (Nayab Tesildaar) Chief Guest of the programme and Dr A.K. Sharma Principal Multanival Modi College by lighting up Dia and offering flowering before the portrait of Dr. Bhim Rao Ambedkar, Dr. Rajendra Prasad and Sardar Vallabh Bhai Patel. After that Dr. Rohatash Tomar, Assistant Professor Department of Political Science explained the importance and efforts made in the formation of our great constitution. Aftermath various volunteers namely Prachi, Vishal, Aaditya, Pranav and many more gave speeches on this occasion. In the last our honorable chief guest Mrs. Komal Panwar addressed the gathering and told the students always remember not only their rights but also their duties toward their nation so that nation progress smoothly.



[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
Principal
Latanimal Modi College
Modinagar, GZB

राष्ट्र के प्रति कर्तव्य को निभाना ही संविधान दिवस मनाने का सही अर्थ : कोमल पंवार

कुलन्द मंडेरा ब्लू

अधिकारों को बरतते हैं लेकिन संविधान दिवस को मनाते हैं और उन अधिकारों के प्रति कर्तव्य में संविधान द्वारा प्रदान किए गए अधिकार पर प्रकाश डालते। जिला विधिक विद्यालयों एवं स्वयंसेवकों को आमंत्रित किया।

मेहदीनगर (अमरकान्तक)। मुल्तानी मल मोटी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैम्पेस कोर एवं रोबोट रीजर्स के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नवम सहस्रीनदरा कोमल पंवार तथा कालिका के प्रचारार्थ डॉ अरुण शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से धारा 14 तथा संविधान निर्माण धारा 14 का सार्वभौम डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के दिवस के समकालीन प्रस्तावित तथा मसौदा का किया गया। राष्ट्र कालिका को निभाना ही संविधान दिवस मनाने सही अर्थ है। राजस्थान विधान सभिय मोटर के जिला समन्वयक अधीपके कुमारा के साथ उनकी पूरी टीम ने विधिक



इस दौरान कालिका के प्रचारार्थ डॉ. शर्मा, प्रचार एवं विज्ञान राजपूत ने भारतीय संविधान का अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में प्रचारार्थ डॉ अरुण शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि कोमल पंवार को यह सार्वभौम की प्रतियां पेटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक योगेंद्र प्रसाद सक्सेना, राष्ट्रीय कैम्पेस कोर के डॉ मुकेश कुमार, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ सुशीला पाठक, डॉ सुब्रह्मण्य, डॉ मंगल तारावत के अलावा स्वयंसेवक कैम्पेस और अन्य विद्यार्थी मौजूद थे।

Kol
Principal
Madi College
Jangar, (GZB)

NSS Progress Report (2020-21)**The no of students participated in speech**

Sr. No.	Name of Students	Class
	Vishal Rajpoot	M.A. II
	Prachi Vasth	B.A. III
	Pranav Kumar	B.C.A II
	Prashant Tomar	B.Sc. III
	Manish Kumar	B.Sc. II
	Pooja	B.Sc. II
	Anju	B.Sc. III
	Pranod	B.Sc. III



Kare
Principal
T. N. Modi College
Bhopal (M.P.)

December 25, 2020

On December 25, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp to celebrate Birth anniversary of Atal Bihari Vajpayee as "Good governess day" in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the program. Dr. Rohatash Tomar, Assistant Professor Department of Political Science, explained the importance contribution of him for country. The many NSS volunteers namely Prachi, Vishal, Aaditya, Pranav and many more gave speeches on this occasion.



Sr. No.	Name of Students	Class
1	Vishal Rajpoot	M.A. II
2	Prachi Vasth	B.A. III
3	Pranav Kumar	B.C.A II
4	Prashant Tomar	B.Sc. III
5	Manish Kumar	B.Sc. II
6	Pooja	B.Sc. II
7	Anju	B.Sc. III
8	Pramod	B.Sc. III
9	Sakshi	M.Sc. I
10	Varsha Chaudhary	M.Sc. I
11	Aditya	B.Sc. II
12	Arti	B.Sc. II
13	Vani	B.Sc. II
14	Harsh	B.A. II
15	Anchal	B.A. III

[Handwritten signature]

Kare
Principal
Ansh College
[Date]

Neta Subhash Chandra Bose Birth Anniversary as "PrakramDiwas"

January 23, 2020

On 23 January 2020, all NSS units (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp to celebrate Neta Subhash Chandra Bose Birth Anniversary as "Prakram Diwas" day in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the program. Dr. ASK Assistant Professor Department of Botany, explained the importance contribution of him for country. The many NSS volunteers namely Manish Prachi, Pranav and many more gave speeches on this occasion.

नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है: डॉ. अजय शर्मा



नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन हमें बहुत कुछ सिखाता है। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना प्रेम और समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना समर्पण होना चाहिए।

नेताजी का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा के लिए एक आदर्श है। डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि नेताजी का जीवन हमें बहुत कुछ सिखाता है। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना प्रेम और समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने देश के प्रति कितना समर्पण होना चाहिए।



Sr. No.	Name of Students	Class
	Vishal Rajpoot	M.A. II
	Prachi Vasth	B.A. III
	Pranav Kumar	B.C.A II
	Prashant Tomar	B.Sc. III
	Manish Kumar	B.Sc. II
	Pooja	B.Sc. II

16

K.K. Principal
Modi College
Gurgaon, (GZB)

MatdataJagruktaDiwas

January 25, 2020

On January 25, 2020 all the four units of NSS (Shri Yogendra Prasad Saksena, Dr. Sujata, Dr. Manisha Baliyan and Shri. Surendra Mishra) jointly organized one-day camp on MatdataJagruktaDiwas in seminar hall of college campus under supervision of Principal Dr. Ajai Sharma. Programme was inaugurated by Dr. Ajai Sharma Chief guest of the programme. The aim of program, was spread awareness regarding to the matdan and to understand the importance of it. Dr. A.K. Maurya Assistant Professor Department of Botany, explained the importance contribution of him for country. The poster competition was organized on this occasion. The ShriYogendraPrsada Saksena In-charge NSS gave the vote of thanks.



KM
Principal
Modi College
Bhopal (GTR)

**Poster Presentation on
Maddata Jagrupta 25, January
2021**

No. No.	Name of Participant	Father's Name	Code	Class	Internal Marking	A	B	C	Total marks
1	Ananya Sharma	Lokan Sharma	D	M.A 1 year	10	4	0	6	22
2	Shweta Tripathi	Baharantomar	AE	Bsc 2nd year		7	5	7	
3	Dhruvish Tiagi	Sanjay Kumar Tiagi	AD	Bsc 2nd year		4	5	7	
4	DEBGIISHI	ASHOK KUMAR	AN	M.A.		0	4	0	
7	Jyoti Khatwarp	Mahesh Kumar	O	BA 1st year		7	5	7	
8	Khadim	Rajeev	AK	M.A 1st year		0	7	0	22
9	Musavi	Kapil Kumar	Z	Bsc 2nd year		0	0	0	
12	MUJIBURRAHMAN SAIFI	MADNI UDDIN SAIFI	W	BSC II COM		0	4	0	
14	Nazim	Shamshad	K	BA 1st year		0	1	7	
15	Pooja Rathi	Hareesh Rathi	AGI	Bsc 1st year		7	5	7	
18	Pooja Vata	Parikumar Sharma	J	BSC 1 year		7	5	7	
19	Pravesh Kumar	Mr. Ravi Sivan	B	B.Sc. III		0	5	0	
20	Pris	Mr. Chandra pal singh	AH	BA (1st year)		0	4	7	
21	Pratik	Dinesh Kumar	AP	B.Sc 2nd year		0	7	0	
22	Romant	Mr. Chandra pal singh	AI	BA (1st year)		0	4	7	
24	Ravi	Mr. Chandra shekhar	A	M.A. 1st year	1	0	10	0	20
26	Tanishkang	Ashok singh	T	Ba		0	7	0	
27	Vaishali	Vinod Kumar	L	M.A 1st year		7	5	7	
28	Harsh	Vijay	H	B.A 1st Year		7	0	7	
29	Ankit		AG	BA II Year		0	4	7	
30	Rishabh Prasad	Manoj Singh	AR	BA II Year		0	5	0	
31	Swati	...	AS	M.A I Year		0	7	0	
32	Rama		AT	M.A II Year		7	0	7	22
33	Pranav	Dinesh	AG	BA I Year		5	7	0	
34	Jyoti	Rajendra Singh	AV	M.A I Year		0	7	0	
35	Neha	Jeet Des	AW	M.A I Year		0	7	0	
36	Rishabh	Anil Kumar	AX	M.A I Year		7	4	0	
37	Chirya	Pravod	AY	M.A II Year		0	4	7	
38	Khadim	Ali Akbar Khan	AZ	M.A II Year		0	4	0	
40	Makand Sharma	Sanjay Kumar Sharma	AF	B.Sc 2nd year		5	0		
41	Taru	Ajay Singh	AH	M.Sc Microbiology		5	0		
42	Pravesh Kumar Singh	Hari Singh	G	M.Sc (1st year)	10	7	0	7	22

Kant



(A)



(B)

Display showing Ban on Ragging in College Campus.

